RNI No: DELMUL/2012/47011

24 नवंबर, 2026 मंगलवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 236

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे 08

बाल-बाल बचे सांसद पप्पू यादव, गड्ढे में गिरी कार



पटना, एजेंसी। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के काफिले की एक कार कटिहार में सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में सांसद पप्पू यादव बाल-बाल बच गए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पप्पू यादव कटिहार के सालमारी में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, कटिहार के कदवा थाना अंतर्गत कुम्हरी पेट्रोल पंप के पास उनके काफिले के साथ सुरक्षा में चल रही पुलिस की गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में काफिले में मौजूद एक पुलिस कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद पप्पू यादव ने कुम्हरी से ही पूर्णिया के लिए वापस लौटना उचित समझा और अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सड़क से नीचे उतरी दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन को बाहर निकालने की कार्रवाई की।

सीएम विजय की अपने सहयोगी दलों के विधायकों के साथ अहम बैठक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सोमवार को सहयोगी दलों के विधायकों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीएम विजय ग्रीनवेज रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास पर भेंट करेंगे, जहां उनका कार्यालय भी है और वे अक्सर अहम बैठकें करते हैं। इस बैठक में मुख्यमंत्री गठबंधन में शामिल विधायकों के साथ परामर्श करेंगे। यह बैठक दोपहर 2 बजे होगी, जिसमें राज्य सरकार का समर्थन करने वाले गैर-टीवीके विधायक शामिल हो सकते हैं। इनमें कांग्रेस, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और वाम दलों के विधायक शामिल हैं। बता दें इससे पहले 1 जुलाई और 9 सितंबर को सीएम विजय की तरफ से बुलाई गई परामर्श बैठकों में वाम दलों सीपीआई और सीपीआई(एम) ने हिस्सा नहीं लिया था।

नोएडा सेक्टर-6 में प्लास्टिक सामान बनाने की कंपनी में भीषण आग

- आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया, कोई जनहानि नहीं

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित एक कंपनी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग इसकी चपेट में आ गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने का काम होता है। प्लास्टिक से बने उत्पाद और अन्य सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-6 में स्थित निजी कंपनी में देर रात आग लग गई। शुरुआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग को तत्काल सूचना दी गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने कई घंटों तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। इस दौरान बिल्डिंग के अंदर मौजूद गर्म हिस्सों और आग से प्रभावित स्थानों पर पानी डालकर उन्हें ठंडा किया गया ताकि अंदर सुलग रही आग दोबारा न भड़क सके। इस घटना में राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि आग की चपेट में आने से कंपनी की बिल्डिंग और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। फिलहाल दमकल विभाग की टीम मौके पर कूलिंग की कार्रवाई में जुटी हैं।

मोदी और शाह की जोड़ी कोई साजिश रच रही या फिर झूठ के जाल में फंस गए

-संसद सत्र और परिसीमन को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने किया दावा



नई दिल्ली , एजेंसी। संसद सत्र और परिसीमन को लेकर बने सस्पेंस के बीच कांग्रेस ने दावा किया है कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी या तो कोई खतरनाक साजिश रच रही है, या फिर वे अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा- पीएम मोदी और अमित शाह की जोड़ी क्या खेल खेल रही है, अगर मान लें कि यह जोड़ी अभी भी साथ है? उन्होंने कहा कि यदि मान लें कि शीतकालीन सत्र होने वाला है तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा। यदि मान लें कि इसे फिर से बुलाया जाने वाला है, तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि मानसून सत्र को कब फिर से बुलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा में किसी तरह दो-तिहाई बहुमत जुटाने की इस जोड़ी की हताश कोशिशों को देखते हुए, देश को यह जानने का हक है कि परिसीमन को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह का फॉर्मूला क्या है। जयराम रमेश ने कहा क्थ् यह लगातार बना हुआ सस्पेंस साफ तौर पर दो बातें बताता है- पहला यह जोड़ी खुद उलझन में है और अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गई है, या दूसरा- कोई बहुत खतरनाक साजिश रची जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जो भी हो जीटीए यानी ज्ञानेश-थेफ्ट-अरेंजर्स की यह जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। दुख की बात है कि संसद जैसी संस्था, जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुकी है, इस खतरनाक जोड़ी की हरकतों की वजह से और भी ज्यादा कमजोर होती जा रही है। इससे पहले, साल 2025 में 5 नवंबर को तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर को समाप्त होगा। हालांकि, मौजूदा स्थिति में सत्र को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

सूखे से निपटने को तैयार महाराष्ट्रः सुनेत्रा पवार ने बताए उपाय



मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घोषणा की कि राज्य सरकार सूखे की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रभावित 310 तालुकाओं में पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रभावी जल प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मौके पैदा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुणे के बालेवाडी स्थित शिव छत्रपति खेल परिसर के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों की मदद के लिए जल प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की है।

उन्होंने बताया कि किसानों को बड़े पैमाने पर चारे की फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें आवश्यक बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नहरों और बांधों के आसपास रहने वाले किसानों से भी चारे की खेती करने का आग्रह किया गया है। महायुति सरकार इन किसानों से चारा खरीदेगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी। रोजगार सृजन के संबंध में, डिप्टी सीएम पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने रोजगार गारंटी योजना के तहत गर्मियों में विभिन्न कार्य कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि अधिक लोगों को काम मिल सके और उनकी आजीविका चलाने में मदद हो सके।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कुल 358 तालुकाओं में से 310 को सूखाग्रस्त घोषित किया है। केंद्र से सहायता, विशेष रूप से किसानों को पांच-पांच हजार रुपये की अग्रिम राहत के संबंध में अपेक्षित समयसीमा के सवाल पर, उपमुख्यमंत्री ने कोई निश्चित जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि राज्य सरकार अपनी ओर से सूखे की इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सज्ज है और सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

बीजेपी ने यूपी मिशन-2027 के लिए 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी की शुरू

- अगले महीने यूपी का दौर कर सकते हैं शाह, सियासी समीकरण साधने पर रहेगा जोर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले महीने से अमित शाह का उत्तर प्रदेश दौरा संभावित है। इस दौरान उनका फोकस संगठन को मजबूत करने, कमजोर सीटों पर पार्टी की स्थिति सुधारने और प्रदेश के सियासी समीकरण साधने पर रहेगा। माना जा रहा है कि शाह अपने दौरे के जरिए यूपी में बीजेपी के चुनावी अभियान की कमान संभालेंगे। गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे में इन सभी तैयारियों की समीक्षा के साथ चुनावी रोडमैप को अंतिम रूप देने पर जोर रह सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी कमजोर सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बूथ स्तर तक संगठन को धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। बीजेपी आने वाले दिनों में संगठन से लेकर जनसंपर्क तक अभियान और तेज कर सकती है। इसके साथ ही बीजेपी ने मिशन-2027 के लिए प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी ने 40 पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। हर दो जिलों के बीच एक पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। ये पर्यवेक्षक गांव-गांव जाकर चौपाल लगाएंगे और केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर फीडबैक भी जुटाएंगे। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी देगी। वहीं संगठन को मजबूत करने के लिए बीजेपी ने छह क्षेत्रों में दूसरे राज्यों से आए संगठन मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी का जोर उन इलाकों और सीटों पर विशेष रूप से है, जहां संगठन को और मजबूत करने की जरूरत है। बीजेपी की रणनीति के तहत संगठन, विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचने की तैयारी है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी स्थिति को और मजबूत कर सके।

आरक्षण बिल पर सियासी हलचलः विपक्ष ने लगाया सांसद खरीद का आरोप



नई दिल्ली , एजेंसी । संसद के बहुप्रतीक्षित शीतकालीन सत्र की तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं हुआ है। इसी बीच, परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, दावा किया जा रहा है कि सरकार के पास इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक 40-50 सांसदों की संख्या कम पड़ रही है, जिसके चलते पार्टियों को तोड़ने और सांसदों की खरीद-फरोख्त की तैयारी की जा रही है।

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने दावा किया है कि इस संख्या को जुटा पाने में असमर्थता के चलते सत्ताधारी दल शीतकालीन सत्र को दांव पर लगा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि सांसदों की खरीद के लिए प्रति सांसद 150 करोड़ रुपये की रकम तय की गई है। राउत के अनुसार, इस काम के लिए महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्री को भी लगाया गया है, हालांकि उन्होंने इस दौरान किसी नेता का नाम नहीं लिया।

राउत ने अपने दावे में कहा, सरकार जिद और अहंकार पर उतर आई है। शीतकालीन सत्र इसलिए नहीं हो रहा है क्योंकि वे चाहते हैं कि परिसीमन बिल हम मंजूर कर लेंगे। यह उनका ईगो है और इस ईगो के लिए एक शीतकालीन सत्र खाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, देश, संविधान और संसद की चिंता नहीं की जा रही है, बल्कि यह तय किया गया है कि किसी भी हालत में परिसीमन बिल मंजूर किया जाएगा। इसके लिए जो 40-45 सांसदों का आंकड़ा कम पड़ रहा है, उसे छोटी-छोटी पार्टियों को खरीदकर या दबाव में लाकर पूरा किया जाएगा। अगर पार्टियां नहीं टूट रहीं, तो कुछ सांसदों को खरीद लेंगे।

राज्यसभा सांसद राउत ने सांसदों को खरीदने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश का दावा करते हुए कहा, यह भाजपा के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का भाव है एक सांसद का 150 करोड़। पार्टी का व्हिप तोड़कर वोट करो, आपको अयोग्य नहीं किया जाएगा। न ओम बिरला जी करेंगे, न चुनाव आयोग करेगा। आराम से पार्टी व्हिप तोड़कर वोट करो और 150 करोड़ रुपये लेकर जाओ। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरा पैसा महाराष्ट्र से जाएगा और एक बड़े मंत्री ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि, इन आरोपों को सत्ता पक्ष ने सिरे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने राउत के दावों को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने पलटवार करते हुए सवाल किया, 150 करोड़ रुपये दे रहे हैं, आपसे किसने बताया? उसको सामने लाओ और कहो न। दरअसल, सरकार परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने की तैयारी में है, जिसका उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ करना है। इस विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत यानी 361 वोटों की जरूरत होगी। 540 सदस्यों वाले मौजूदा सदन में, सत्ताधारी दल के पास 320 सदस्य हैं। ऐसे में, आवश्यक संख्या जुटाने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

ऋषिकेश में विदेशी महिलाओं ने उठाया गंगा सफाई का बीड़ा, सोशल मीडिया पर लोग कर रहे तारीफ

देहरादून ,एजेंसी। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। वीडियो में कुछ विदेशी महिलाएं हाथों में दस्ताने पहने और काले कचरे के थैले लिए गंगा घाट पर फैला प्लास्टिक और अन्य कचरा साफ करती दिख रही हैं। चट्टानों के बीच दबी पन्नियां हों या रेत में पड़ा कूड़ा, ये महिलाएं बिना किसी दिखावे के, पूरी लगन से एक-एक चीज को उठाकर थैले में डाल रही हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा साझा किए गए वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले शख्स ने भी अपनी हैरानी जताकर कहा कि जहां लोग अपनी पवित्र नदी में कचरा फेंकने से बाज नहीं आते, वहीं दूसरे देशों से आई ये महिलाएं हमारी विरासत को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म करेगा तभी होगी द्विपक्षीय बातचीत

-पाक मंत्री मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान आया सामने

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मसूद मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के बावजूद मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। उन्होंने दोहराया कि दोनों देशों के बीच बातचीत तभी शुरू हो सकती है, जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म कर दे। थरूर ने स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान अपने इलाके से चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक भारत पहले की तरह द्विपक्षीय बातचीत फिर से शुरू नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि भले ही उन दिनों भी पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते काफी खराब थे, तो ये ऐसी बातें हैं जिन्हें आपको समझना होगा। मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। थरूर ने आगे कहा कि जहां तक द्विपक्षीय रिश्तों की बात है, हमने यह साफ कर दिया है कि पहले जिस तरह की बाइलेटरल बातचीत होती थी, वह तभी फिर से शुरू हो सकती है जब पाकिस्तान अपने देश में आतंक के इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दे। उन्होंने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की स्थिति दोहराते हुए कहा कि आप ये टेररिस्ट कैंप, हेडक्वार्टर, ट्रेनिंग ग्राउंड वगैरह नहीं रख सकते जिनका इस्तेमाल रेगुलर तौर पर हमारे लोगों पर हिंसा करने के लिए किया जा रहा है और फिर बातचीत की उम्मीद करें। उन्होंने कहा कि कोई भी अपने सिर पर बंदूक तानकर बात नहीं करना चाहता और हम भी ऐसा नहीं करने वाले हैं।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के कार्यक्रम में शामिल होने आए पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मलिक ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इस विषय पर किसी भी तरह की चर्चा ठोस सबूतों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में है, इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक रूप से मिलकर निकाला जाना चाहिए। मलिक ने यह भी वकालत की कि एक ऐसा फोरम बनाया जाना चाहिए, जहां इन सबूतों को सामने लाया जा सके और उसी आधार पर हर



मुद्दे का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र इस समस्या से जूझ रहा है और अगर आतंकवाद से निपटने में किसी का सबसे बड़ा हित है तो वह किसी और से ज्यादा पाकिस्तान का है।

गोवा में सीजेपी ने फूंका चुनावी बिगुल कहा- धारा 39ए हटाना होगी

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

पणजी , एजेंसी। गोवा में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी अब गोवा में ही रहकर एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। दीपके ने बताया कि सीजेपी गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी करेगी, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी। दीपके ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता गोवा नगर एवं ग्रामीण नियोजन अधिनियम की धारा 39ए को निरस्त करवाना है। यह धारा स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना कर रही है, जिससे यह भाजपा सरकार के लिए एक संवेदनशील मुद्दा बन गई है।

सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने गोवा में अपनी पार्टी के दीर्घकालिक रहने का संकल्प दोहराते हुए कहा, हमें भारत बचाना है और भारत का



निर्माण करना है। इस देश का भविष्य कोई 75 साल का महामानव नहीं, बल्कि यहां के युवा हैं। दरअसल, धारा 39ए को गोवा नगर एवं ग्रामीण नियोजन अधिनियम 1974 में 2024 में हुए एक संशोधन के जरिए जोड़ा गया था। यह प्रावधान बोर्ड की मंजूरी के बाद किसी भी भूखंड का ज़ोन बदलने की अनुमति देता है, जिसके लिए जनता से केवल 30 दिनों के भीतर आपत्तियां मांगी जाती हैं। स्थानीय निवासी इस धारा का पुरजोर विरोध कर रहे हैं, उनका तर्क है कि यह पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाएगी और उद्योगपतियों व प्रभावशाली लोगों के हितों को बढ़ावा देगी। इससे कृषि योग्य और वन भूमि का उपयोग भी निर्माण या शहरी विकास के लिए किया जा सकेगा, जो गोवा की पारिस्थितिकी और संस्कृति के लिए खतरा है।

आशुतोष रांका ने बताया कि एक आंदोलन ने लोगों को एक मंच पर इकट्ठा किया था। उन्होंने सीजेपी की दीर्घकालिक रणनीति पर जोर देते हुए कहा, सीजेपी अब गोवा में लंबे समय के लिए आई है। अब यहां लंबा खेल चलेगा। कॉकरोच कभी नहीं मरेंगे। दीपके ने कहा कि सीजेपी अब गोवा की पहचान और जमीन के लिए लड़ाई लड़ेगी और उनके घोषणापत्र में धारा 39ए के खिलाफ संघर्ष को प्रमुखता दी जाएगी। उनका आरोप है कि गोवा की अनूठी संस्कृति को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

अनंत सिंह की बेटी की शादी- किन्नरों ने मांगा सवा करोड़ का नेग

पटना , एजेंसी । मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी इन दिनों बिहार से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा में है। हाल ही में दानापुर स्थित ऑर्गेनिक रिजॉर्ट में हुए भव्य तिलक समारोह के दौरान एक खास नजारा देखने को मिला, जब किन्नरों की टोली ने अनंत सिंह के होने वाले समधी से सवा करोड़ रुपये का नेग मांगकर सभी को चौंका दिया। अपने पारंपरिक अंदाज में नाच-गाना करते हुए किन्नरों ने ठिठोली कर कहा कि छोटे सरकार के यहां शादी हो रही है, तब नेग भी दिल खोलकर मिलना चाहिए। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि इस बार सवा करोड़ रुपये दे दीजिए, इसके बाद वे सीधे तब आएंगे, जब घर में पोता होगा। इस बातचीत का वीडियो भी खूब चर्चा बटोर रहा है, जहां किन्नरों ने परिवार को खुशहाल जीवन का आशीर्वाद भी दिया।

1977 के चुनाव को प्रभावित करने कांग्रेस ने कारोबारियों से लिए थे 113 करोड़

बीजेपी सांसद ने अवैध सांठगांठ और काले धन के इस्तेमाल का लगाया आरोप

रांची, एजेंसी । बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर पिछले कई दशकों से कारोबारियों से अवैध सांठगांठ और काले धन के इस्तेमाल से चुनावों को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर 70 के दशक में प्रकाशित एक खबर की पुरानी कटिंग साझा की। इसके आधार पर दावा किया कि पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने 1977 के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए कारोबारियों से 113 करोड़ रुपए लिए थे। दुबे के मुताबिक उस समय खर्च की गई यह रकम आज के मूल्य के हिसाब से करीब 25 हजार करोड़ रुपए बैठती है। दुबे ने पुरानी खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव में लोकसभा के प्रत्येक उम्मीदवार को दो लाख रुपए और दो जीप उपलब्ध कराई गई थीं। उन्होंने कांग्रेस पर चुनावी चंदे और कारोबारी हितों के बीच पुराने गठजोड़ का आरोप लगाया और इसे देश की राजनीति का काला इतिहास बताया। दुबे सोशल मीडिया पर 'कांग्रेस का काला अध्याय' नाम से शृंखलाबद्ध अभियान चला रहे हैं। इसकी 252वीं कड़ी में उन्होंने लिखा कि 23 नवंबर 1978 को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की रिपोर्ट मीडिया में प्रकाशित हुई थी। उनके मुताबिक इस रिपोर्ट में इंदिरा गांधी और कारोबारियों के बीच कथित सांठगांठ का खुलासा किया था। दुबे ने सबसे ज्यादा चंदा देने का आरोप आरपी गोयनका पर लगाया। उन्होंने दावा किया कि गोयनका को तीन अक्टूबर 1977 को काले धन के मामले में गिरफ्तार किया था। इस मामले में आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने कई बार छापेमारी भी की थी। बीजेपी सांसद ने सरकारिया आयोग और हजारी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बिड़ला समूह ने 1957 से 1977 के बीच कांग्रेस को धन देकर लाइसेंस हासिल किए। उन्होंने कोका-कोला और आईबीएम जैसी विदेशी कंपनियों पर भी कांग्रेस को धन देने का आरोप लगाया। निशिकांत दुबे ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि इन आरोपों से घिरी इंदिरा गांधी ने जनता पार्टी को तोड़ने के लिए हर तरीका अपनाया।



जनता ने नकार दिया भजनलाल शर्मा का नेतृत्व ! अपने भी बैठे हैं नाराज, क्या अब सीएम बदलेंगे मोदी-शाह?



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है।

राजस्थान की राजनीति में गांवों की चौपाल से उठने वाला संदेश अक्सर सत्ता के गलियारों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ा सियासी सवाल बन जाता है। पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सामने आई तस्वीर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और प्रदेश भाजपा संगठन के भीतर तालमेल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने जिस राजनीतिक उम्मीद के साथ भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी, उस उम्मीद के बाद अब तक हुए चुनावी पड़ावों को लेकर पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बनी हुई है। सवाल केवल पंचायत चुनावों में हार-जीत का नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक दिशा का है जिसके सहारे भाजपा राजस्थान में अपना जनाधार मजबूत रखने की कोशिश कर रही थी।

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है। भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में इन सभी मोर्चों पर समन्वय को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा के लिए राजस्थान में राजनीतिक चुनौती की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से ही हो गई थी। विधानसभा चुनावों में 115 सीटें जीतकर सत्ता में आई भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे 14 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा के उस राजनीतिक दबदबे को चुनौती दी, जिसे पार्टी विधानसभा चुनावों की जीत के बाद अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही थी।

इसके बाद इस साल सितंबर में हुए शहरी निकाय चुनावों की तस्वीर भी भाजपा के लिए पूरी तरह एकतरफा नहीं रही। प्रदेश के 7,475 शहरी वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। दस नगर निगमों में भाजपा पांच में आगे रही, कांग्रेस तीन में और एक में निर्दलीय आगे रहे, जबकि जोधपुर में मुकाबला बराबरी का रहा। यानी शहरी निकायों में भी भाजपा को ऐसा निर्विवाद जनसमर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद सत्ता में बैठी पार्टी कर सकती थी। अब पंचायत चुनावों ने इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया है। गांवों में भाजपा को जिस तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से चुनौती मिली, उसने प्रदेश सरकार के लिए नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा कर दी है।

देखा जाये तो राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खासे महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा की चुनौती केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी और आदिवासी क्षेत्रों में बीएपी की मौजूदगी ने यह दिखाया कि ग्रामीण राजनीति में स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय मुद्दों की अपनी ताकत है। वैसे भी पंचायत चुनावों में मतदाता केवल जयपुर या दिल्ली के राजनीतिक नारों पर नहीं, बल्कि अपने इलाके के प्रतिनिधियों और स्थानीय समस्याओं पर भी फैसला करते हैं।



साथ ही मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी आरएलपी के उम्मीदवारों की जीत ने इन चुनावों को और राजनीतिक महत्व दे दिया। देखा जाये तो भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में एक नया राजनीतिक प्रयोग किया था। पार्टी ने अनुभवी और स्थापित चेहरों के बजाय पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को प्रदेश की कमान सौंपी थी। यह फैसला पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का था और इसके पीछे संगठनात्मक तथा राजनीतिक रणनीति काम कर रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को साधने की थी। राजस्थान में भाजपा की राजनीति लंबे समय से वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री के लिए पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना बेहद जरूरी था।

यहीं से सरकार और संगठन के भीतर समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अप्रैल 2025 में झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। उनका सवाल था कि जब जनता पानी के लिए परेशान है तो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे हैं? यह केवल अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी नहीं थी, बल्कि सरकार के सामने खड़ी स्थानीय समस्याओं की गंभीरता को भी उजागर करता था।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का अपना जनाधार और राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनकी सार्वजनिक नाराजगी को महज एक प्रशासनिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटनाक्रम इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और सरकार के बीच ऐसा संवाद स्थापित कर पाए हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर उठने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

इसके अलावा, भजनलाल सरकार के शुरुआती कार्यकाल में ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा राजनीतिक चर्चा का बड़ा विषय बना था। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उन्होंने नियमित मंत्री की तरह कामकाज से दूरी बनाए रखी थी। इस दौरान उनके इस्तीफे की स्थिति, मंत्रिमंडल की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति और विभागीय कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अप्रैल 2025 में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने दोबारा मंत्री के रूप में कामकाज संभाला था। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था और उन्हें फिर से जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया था।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम अपने आप में भाजपा सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक असहजता का महत्वपूर्ण उदाहरण था। जिस मंत्रिमंडल को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करना चाहिए था, वहां एक वरिष्ठ मंत्री का इतने लंबे समय तक अलग-थलग रहना सरकार की कार्यशैली और आंतरिक समन्वय पर सवाल खड़े करता रहा। इसके अलावा जून 2025 में भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। पूर्व विधायकों, सांसदों और चुनाव लड़ चुके नेताओं ने अपनी समस्याएं और क्षेत्रीय कार्यों की अनदेखी को लेकर पार्टी नेतृत्व के सामने शिकायतें रखी थीं।

देखा जाये तो राजस्थान जैसे बड़े राज्य में पार्टी केवल दिल्ली के निर्देशों से नहीं चल सकती। यहां हर क्षेत्र की अपनी राजनीतिक परिस्थितियां हैं, अपने जातीय और सामाजिक समीकरण हैं और अपने प्रभावशाली नेता हैं। यदि प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का दरवाजा खटखटाना पड़े तो इसका असर सरकार और संगठन के जमीनी ढांचे पर पड़ना स्वाभाविक है। साथ ही चुनाव में सत्ता हासिल करने के लिए किए गए वादों का असली इम्तिहान सत्ता में आने के बाद होता है। राजस्थान में आम जनता के सामने आज भी महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, किसानों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना राजनीतिक चर्चा के बड़े विषय बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के समय शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी शुरुआती दौर में भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति बनी। लाभार्थियों के बीच यह सवाल रहा कि पुरानी योजनाएं किस रूप में जारी रहेंगी, किन योजनाओं में बदलाव होगा और नई सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? देखा जाये तो सरकार बदलने के बाद योजनाओं की समीक्षा और पुनर्गठन अपनी जगह है, लेकिन आम आदमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उसे मिलने वाली सुविधा बाधित न हो।

साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां और रोजगार के अवसर, अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, ग्रामीण इलाकों में पेयजल की उपलब्धता और किसानों की समस्याओं का समाधान ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन होता है। केवल घोषणाओं और बजट प्रावधानों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। उसका सीधा संबंध जमीन पर मिलने वाली सुविधाओं से है।

देखा जाये तो राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल करना और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इस चुनावी तस्वीर को स्पष्ट करता है।

ऐसे में भजनलाल शर्मा के सामने चुनौती केवल पंचायत चुनावों के परिणामों की समीक्षा करने की नहीं है। सवाल यह है कि सरकार और संगठन के बीच वह राजनीतिक तालमेल कैसे बनेगा, जिसकी कमी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। वसुंधरा राजे जैसे वरिष्ठ नेताओं की सार्वजनिक नाराजगी, किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाला लंबा प्रकरण और कार्यकर्ताओं की शिकायतें अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इन्हें एक साथ देखने पर प्रदेश भाजपा के भीतर समन्वय की चुनौती सामने आती है।

देखा जाये तो राजस्थान में सत्ता की राजनीति केवल जयपुर के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों और अब पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा के सामने लगातार राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं।

बहरहाल, पंचायत चुनावों का जनादेश इस बात का संकेत है कि राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठना लाजिमी है कि कहीं सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर अपेक्षित परिणाम देने में नाकाम रहने वाले भजनलाल शर्मा की जगह भाजपा नेतृत्व किसी दूसरे चेहरे को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला न कर ले। आखिरकार, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी चुनावी नतीजों और सरकार के प्रदर्शन को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता।

संपादकीय

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

गुरु नानक देव ने फ़ैलाया जगत में ज्ञान का प्रकाश



सनत जैन

अंधविश्वास और आडंबरों को दूर कर ज्ञान का प्रकाश सारे जगत में फैलाने वाले गुरु नानक का प्रकाश उत्सव यानि अवतरण दिवस कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, हालांकि उनका वास्तविक जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक देव पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके माथे पर शुरू से ही तेज आभा बनी हुई थी। तलवंडी जो अब पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील दूर पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

बचपन में जब नानक देव के अन्य साथी बच्चे खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित हो जाते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा ,लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते और वे उनके ज्ञान व प्रतिभा को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर इस संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भी भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। अन्ततः नानक देव ने घर बार छोड़ दिया और दूर देशों में भ्रमण करना शुरू किया। इससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। उन्होंने कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार पंजाब से आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु बन हुए।

गुरु नानक देव का विवाह सन सन1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी थी, वह भी नानक जी ने साधु सेवा में लगा दी। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी, उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की यात्राएं भी कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में आकर बस गये और सन1521 ई. से सन1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु नानक देव ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर प्रथा शुरू की । लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। गुरु नानक देवजी का जन्मदिन प्रतिवर्ष गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन सन1539 ई. में हुआ। उन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया थाऔर स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-



स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो यहां प्रस्तुत हैं,

ईश्वर एक है,सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।गुरु नानक देव की दी हुई शिक्षा से समाज मे व्यापक जागृति आई और वे सिर्फ सिख धर्म ही नही सम्पूर्ण समाज के प्रेरक बने।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!



डॉ. प्रियंका सौरभ

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है–यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।

जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं।

एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा।

निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है।

शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है–इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

दिल्ली : पुरानी दुश्मनी में युवक को बंधक बनाकर धारदार हथियार से गोदा, दो गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जाफराबाद इलाके में पुरानी दुश्मनी के चलते एक युवक को बंधक बनाने एवं धारदार हथियार से गोद कर जख्मी करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राहुल अलवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ब्रह्मपुरी निवासी मोहम्मद अब्बास उर्फ छम्मिया (26) और समीर (23) के रूप में हुई है। मामले में तीसरा आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर को जाफराबाद थाने को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से चाकू के हमले में जख्मी हुए एक युवक को लाये जाने की सूचना मिली। उनके मुताबिक, घायल असलम (22) ने बताया कि देर रात चौहान बांगर इलाके में उसे तीन आरोपियों ने घेर लिया, जिन्हें वह पहले से जनता था। पुलिस ने बताया कि अब्बास ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे धमकी दी और आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने करीब डेढ़ साल पहले उस पर ब्लेड से हमला किया था। अधिकारी ने बताया कि जब शिकायतकर्ता ने भागने की कोशिश की, तो तीनों आरोपियों ने उसे काबू कर लिया और अब्बास ने उसकी गर्दन पर चाकू रख दिया, जबकि बाकी दो ने उसे जबरदस्ती अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाया और उसका अपहरण करके पास के ब्रह्मपुरी की गली नंबर 21 में ले गए। पुलिस ने बताया कि वहां आरोपियों ने उसकी गर्दन, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से हमला किया और वहां से भाग गए। इसके बाद पीड़ित किसी तरह अस्पताल पहुंचा। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने 20 नवंबर को अब्बास और 22 नवंबर को समीर को गिरफ्तार किया। दोनों का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पेपर कटर भी बरामद किया है।

दिल्ली में गांधी नगर स्थित कपड़ों की दुकान में लगी आग को सवा घंटे की मशक्कत के बाद बुझाया गया



नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के गांधी नगर इलाके में सोमवार सुबह रेडीमेड कपड़ों की एक दुकान में आग लग गई, जिसे दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद बुझा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, गांधी नगर की नेहरू गली स्थित एक फैक्टरी में आग लगने की सूचना सुबह करीब आठ बजकर 56 मिनट पर मिली, मगर मौके पर जाकर पता चला कि आग एक इमारत की भूतल पर स्थित रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में दमकल की आठ गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। बाद में सुबह नौ बजकर 15 मिनट पर चार और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि 35 गज क्षेत्र में बनी इस इमारत में भूतल और तीन ऊपरी तीन मंजिलें हैं। अधिकारी ने बताया कि दमकल की गाड़ियों ने 10-10 तक आग पर काबू पा लिया और 10-20 पर आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

गिग वर्कर्स के कल्याण को लेकर काम कर रही सरकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में फ्लिपकार्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन 'संपर्क 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा शामिल हुए। यहां गिग वर्कर्स के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों और सामाजिक क्षेत्र में संस्थागत सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर उन्होंने चर्चा की। इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने कहा कि गिग इकोनॉमी आज देश के रोजगार परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। डिलीवरी पार्टनर्स, वेयरहाउस कर्मचारियों और अन्य ग्राउंड लेवल वर्कर्स के योगदान से यह पूरा क्षेत्र संचालित होता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इन कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार, कंपनियां और सामाजिक संस्थाएं मिलकर काम करें। दिल्ली सरकार गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में इस विषय पर नियोक्ताओं और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी की गई हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का फर्जी बयान प्रसारित करने का आरोप, पुलिस को दी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नाम से एआई और डीपफेक तकनीक से कथित फर्जी बयान प्रसारित करने के मामले में दिल्ली भाजपा ने पुलिस में शिकायत दी है। प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मध्य जिला पुलिस उपायुक्त को शिकायत सौंपकर एफआईआर दर्ज करने और समयबद्ध जांच की मांग की। भाजपा का आरोप है कि 22 नवंबर को चंडीगढ़ में नितिन नवीन के सार्वजनिक संबोधन की वास्तविक वीडियो रिकॉर्डिंग से छेड़छाड़ कर फर्जी वीडियो तैयार किया गया। इसमें भारत-चीन संबंधों, पाकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उनके नाम से फर्जी बयान प्रसारित किए गए। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी भाषण तैयार करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने वीडियो का साइबर फॉरेंसिक परीक्षण कराने, सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान करने, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने और फर्जी सामग्री हटाने की मांग की है।

दिल्ली की सीएम ने अशोक सिंघल और मांगेराम गर्ग को दी श्रद्धांजलि; समाज में उनके योगदान को किया याद

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत अध्यक्ष अशोक सिंघल और भाजपा नेता व दिल्ली विधानसभा के दिवंगत सदस्य मांगे राम गर्ग को उनकी क्रमशः 100वीं और 90वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।
सीएम गुप्ता ने समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और देश भर में तीर्थ स्थलों के विकास में उनके योगदान को याद किया। 'दो महापुरुष - एक संकल्प' नाम की श्रद्धांजलि सीरीज सोमवार को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुई।
सीएम रेखा गुप्तान ने कन्वेंशन सेंटर में उनकी याद में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने अपना जीवन जनता की भलाई के लिए समर्पित कर दिया और समाज के अलग-अलग वर्गों को एक साथ लाने की दिशा में काम किया।
उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि हम यहां अशोक सिंघल और मांगे राम गर्ग जैसी शख्सियतों को याद करने के लिए इकट्ठा हुए हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी को समाज सेवा और देश के फिर से बनाने के लिए एक मिसाल बनाया। उन्होंने लगातार समाज को जोड़ने का काम किया और इस रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करके खुद को रोल मॉडल के तौर पर स्थापित किया।'
मांगे राम गर्ग को प्यार से 'बाउजी' के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री ने उनके साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें उनके जवानी के दिनों में जो सलाह दी थी, वह रोजमर्रा की जिंदगी में उनका मार्गदर्शन करती रही।
उन्होंने कहा, 'मुझे वह सब याद है जो उन्होंने मुझे मेरे जवानी के दिनों में बताया था। यह सब आज भी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत काम आता है।'
सीएम ने अशोक सिंघल के बारे में बात करते हुए भाजपा के स्टेट प्रेसिडेंट के तौर पर उनकी ऑर्गेनाइजेशनल जिम्मेदारियों से परे उनके योगदान पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि सिंघल ने एक पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव, सोशल लीडर और रिफॉर्मर के तौर पर काम किया, जिसमें खास तौर पर पिछड़े समुदायों की महिलाओं की मदद करने और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा देने पर ध्यान दिया गया।
सूगुन गुप्ता ने तीर्थ स्थलों के विकास पर ध्यान खींचने के सिंघल के प्रयासों को भी याद किया, और कहा कि उनका मानना था कि जब शहर और देश के दूसरे हिस्से तरक्की कर रहे हों, तो धार्मिक जगहों को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब हमारे भक्त किसी तीर्थ स्थल पर जाते हैं, तो हम पूरे देश और शहरों में विकास होते हुए देखते हैं, लेकिन ये तीर्थ स्थल अक्सर पीछे छूट जाते हैं। मुझे नहीं पता क्यों। हालांकि, उन्होंने सबसे पहले इस मुद्दे पर ध्यान खींचा और इस बात पर जोर दिया कि तीर्थ स्थलों का विकास विकास का सबसे बड़ा रूप है।'
उन्होंने कहा कि सिंघल ने देश भर के तीर्थ स्थलों को जोड़ने और उनके विकास को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की थीं। अपनी अलग-अलग सार्वजनिक पहलों को याद करते हुए, सीएम गुप्ता ने 'शिवांजलि' प्रोग्राम का जिक्र किया, जिसे उन्होंने लोगों को एक साथ लाने के लिए आयोजित किया था।
उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोग्राम समाज की सेवा करने और धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उनके कमिटमेंट को दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने मेडिकल रिसर्च के लिए अपना शरीर दान करने के सिंघल के फैसले को भी उनकी सेवा के सबसे यादगार कामों में से एक बताया, जो उनके जीवनकाल के बाद भी समाज के प्रति उनके कमिटमेंट को दिखाता है।



उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का जीवन और योगदान जनता की भलाई और देश के विकास के बड़े लक्ष्य के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

विद्यापति स्मृति पर्व 2026: सीएम रेखा गुप्ता ने मैथिल समुदाय के साथ मनाया मिथिला और दिल्ली के अटूट सांस्कृतिक रिश्तों का उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्यापति स्मृति पर्व 2026' में शामिल होकर मैथिल समुदाय के साथ मिथिला और दिल्ली के बीच के गहरे व आत्मीय सांस्कृतिक संबंधों का उत्सव मनाया। इस अवसर पर उन्होंने महाकवि विद्यापति जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इस भव्य आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।
दिल्ली की पहचान बनीं मिथिला की अनमोल परंपराएं
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकवि विद्यापति जी की अमर विरासत से प्रेरित होकर मैथिल परिवारों की पीढ़ियों ने मधुबनी कला, पारंपरिक



'पाग', लोक आस्था के महापर्व छठ और समृद्ध मैथिली साहित्य के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवंत रखा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये अनमोल परंपराएं आज दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान का एक अभिन्न हिस्सा बन गई हैं।

राजधानी के विकास में मैथिल समुदाय का अहम योगदान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के निर्माण और विकास में मैथिल समाज की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ इस समुदाय की कड़ी मेहनत और समर्पण ने दिल्ली को हर क्षेत्र में समृद्ध किया है।

गणमान्य व्यक्तियों की रही उपस्थिति

इस सांस्कृतिक समारोह में विधायक अभय वर्मा, दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा, मैथिली-भोजपुरी अकादमी के उपाध्यक्ष बिपिन बिहारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और मैथिल समाज के लोग उपस्थित रहे।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी।
पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से रविवार को भव्य नगर कीर्तन सजाया गया। नगर कीर्तन की शुरुआत गुरुद्वारा सीस गंज साहिब से हुई और इसका समापन गुरुद्वारा नानक पियाऊ साहिब में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में संगतों ने भाग लेकर गुरु साहिब के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।
नगर कीर्तन के आरंभ में अरदास की गई। इसके बाद कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को पालकी में सुशोभित किया। नगर कीर्तन फतेहपुरी, खारी बावली, नया बाजार, पुल बंगश, बर्फखाना चौक, रोशनारा रोड, सब्जी मंडी, राणा प्रताप बाग सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए गुरुद्वारा नानक पियाऊ साहिब पहुंचा।
मार्ग में जगह-जगह संगतों ने नगर कीर्तन का स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर लंगर लगाए गए और पुष्प वर्षा की गई। गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों के जत्थों के साथ निहंग सिंहों की विभिन्न जत्थेबंदियों ने भी भाग लिया। इस दौरान निहंग सिंहों ने गतका कला के हैरतअंगेज करतब दिखाए। संगतों की भारी भागीदारी के कारण नगर कीर्तन निर्धारित समय से विलंब से अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचा।
इस अवसर पर सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने सांसारिक अंधकार में घिरी मानवता को सत्य और समानता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कर्मकांडों और आडंबरों का विरोध करते हुए पूरी दुनिया को एक



परमात्मा और समस्त सृष्टि की एक ही ज्योति का संदेश दिया।
उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने अत्याचारी शासक बाबर की नीतियों की निंदा की और महिलाओं के सम्मान तथा समानता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाओं ने समाज को यह समझाया कि स्त्री को कभी कमतर नहीं आंका जा सकता। आज भी गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं पूरी मानवता का मार्गदर्शन कर रही हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

एसआईआर में 75 जीवित मतदाताओं को मृत दिखाकर नाम कटवाए : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने सोमवार को भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दावा किया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के नेहरू विहार वार्ड में भाजपा के बूथ लेवल एजेंट ने 75 जीवित मतदाताओं को मृत दर्शाकर उनके नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरवाए। राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में यादव ने दावा किया कि कांग्रेस के बीएलए-1 की जांच में मामला सामने आया। इनमें 65 मतदाताओं के जीवित होने की पुष्टि हुई। कांग्रेस ने 16 लोगों को प्रभावित बताते हुए पहचान पत्रों के साथ उन्हें मीडिया के सामने पेश किया। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी विचारधारा और कमजोर वर्गों के मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि समय रहते जांच नहीं होती तो मतदाताओं के नाम सूची से कट सकते थे। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और अदालत में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने सभी मामलों की निष्पक्ष जांच, प्रभावितों को सुनवाई का अवसर और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली भाजपा 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस समारोह करेगी आयोजित, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली, 23 नवंबर (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली ईकाई 26 नवबंर को सिविक सेंटर में संविधान गौरव दिवस समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में शामिल होंगे।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस समारोह का आयोजन संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने और संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।
हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि समारोह में दिल्ली के बुद्धिजीवी वर्ग को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के सभी सांसदों एवं आमंत्रित बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करेंगी।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भी कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान में संशोधन किए। मल्होत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस नेता संविधान की छोटी प्रति जेब में रखकर बात-बात पर संविधान की शपथ लेते हैं, इन लोगों ने संविधान की मूल भावना की हत्या कर दी। 1975 में इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता रहते प्रेस पर सेंसरशिप लगाई और लाखों लोगों को जेल में बंद कर दिया।
उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ही तरह आम आदमी पार्टी भी अराजक पार्टी है, जिसके मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने न सिर्फ राजपथ (कर्तव्य पथ) पर धरना दिया, बल्कि शराब घोटाले में गिरफ्तार होने के बाद भी बहुत दिनों तक इस्तीफा देने से इनकार किया।
हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली भाजपा संविधान गौरव अभियान के तहत दिल्ली एवं देशवासियों को संविधान के प्रति जागरूक कर रही है और इस अभियान का उद्देश्य है कि डॉ. अम्बेडकर के सपनों के भारत का निर्माण करें - जहां सामाजिक समरसता हो, समानता हो और हर नागरिक को न्याय मिले।
मल्होत्रा ने कहा कि संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और आकांक्षाओं का दस्तावेज़ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने संविधान के आदर्शों को व्यवहार में उतारा है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक का अंत और समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम ये सभी संविधान की मूल भावना को सशक्त करने वाले निर्णय हैं।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि



26 नवम्बर के समारोह में दिल्ली के प्रबुद्ध नागरिकों की भागीदारी विशेष महत्व रखती है। सी.ए., अधिवक्ता, डॉक्टर, प्रोफेसर, शिक्षक और छात्र मिलकर यह संदेश देंगे कि संविधान हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने संबोधन में दिल्ली सरकार द्वारा संविधान के अनुरूप किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को भी साझा करेंगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में आकर इस ऐतिहासिक संविधान गौरव समारोह का हिस्सा बनें और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करें।

यमुना 60 प्रतिशत साफ, 2030 तक पूरी नदी साफ हो जाएगी : मंत्री सिरसा



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि यमुना का 60 प्रतिशत हिस्सा अब इतना साफ हो गया है कि उसका पानी पीने लायक है और 2029 या 2030 तक पूरी यमुना को साफ कर दिया जाएगा। सिरसा यहां उबर की 'वन लेस कार' रिपोर्ट के जारी होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यमुना की सफाई का श्रेय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार से मिले सहयोग को दिया। मंत्री ने कहा कि नदी की सफाई का काम एक छोर से शुरू किया गया है और इसे धीरे-धीरे दूसरे छोर तक ले जाया जाएगा। यही कारण है कि अभी पूरी नदी के बजाय 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई हो सकी है। सिरसा ने कहा, ''यमुना का 60 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह साफ हो चुका है। साफ होने का मतलब इतना स्वच्छ है कि आप उसका पानी भी पी सकते हैं।' उन्होंने लोगों से यमुना के किनारे जाकर सफाई की स्थिति स्वयं देखने की अपील भी की। दिल्ली में सीवेज की समस्या का उल्लेख करते हुए सिरसा ने कहा कि शहर का गंदा पानी नालों के जरिए यमुना में पहुंचता है। जब तक इस गंदे जल का उचित शोधन नहीं किया जाएगा, तब तक नदी को पूरी तरह साफ करना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार इस समस्या से निपटने के लिए सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) का इस्तेमाल कर रही है, ताकि गंदे पानी को उपचारित करने के बाद ही नदी में छोड़ा जाए।

महापौर ने गुरु पर्व के नगर कीर्तन मार्ग का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले नगर कीर्तन की तैयारियों के लिए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार ने सोमवार को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से फतेहपुरी चौक तक नगर कीर्तन मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुरानी दिल्ली क्षेत्र की उपायुक्त कनिका सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। महापौर एवं निगमायुक्त ने पूरे मार्ग पर सफाई व्यवस्था, कचरा उठाने और स्वच्छता से जुड़े कार्यों की स्थिति देखी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर कीर्तन मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जहां भी कोई कमी नजर आए, उसे तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते तैयारियां पूरी करने को कहा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि गुरु पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ-साथ दिल्ली की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। नगर कीर्तन के इस मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, इसलिए यहां स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता के आह्वान और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नगर निगम राजधानी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई है। हालांकि, कुछ छोटी-मोटी कमियां सामने आई हैं, जिन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि निगम अधिकारी पूरी तत्परता से काम करेंगे और नगर कीर्तन स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न होगा। निरीक्षण के बाद महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार ने गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया।

संक्षिप्त डायरी

बेतिया में मालगाड़ी पर पथराव, इंजन में बैठे लोको पायलट के हाथ में लगा पत्थर, चार संदिग्ध हिरासत में

एजेंसी

पटना। बेतिया में हरिनगर और चमुआ रेलवे स्टेशन के बीच रविवार देर शाम असामाजिक तत्वों ने मालगाड़ी पर पथराव कर दिया। पत्थर लगने से लोको पायलट यूके यादव घायल हो गए। आरपीएफ ने चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। बेतिया जिले में हरिनगर और चमुआ रेलवे स्टेशन के बीच रविवार देर शाम मोतिहारी की ओर जा रही एक मालगाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। इस घटना में मालगाड़ी चला रहे लोको पायलट यूके यादव के हाथ में पत्थर लगने से वह घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद घायल रेलकर्मी को उपचार के लिए नरकटियागंज लाया गया, जहां उनका इलाज कराया गया। मामले की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम हरकत में आई और संदेह के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मालगाड़ी पर असामाजिक तत्वों का हमला चलती ट्रेन में जीआरपी सिपाहियों से मारपीट, महिला ने अपनी बेटियों और दो युवकों के साथ मिलकर पीटा बिजनौर यह घटना उस समय हुई जब मोतिहारी जा रही मालगाड़ी हरिनगर और चमुआ स्टेशन के मध्य से गुजर रही थी। उसी दौरान अज्ञात तत्वों ने ट्रेन को निशाना बनाकर पथराव कर दिया। एक पत्थर सीधे इंजन के भीतर पहुंचकर संचालन संभाल रहे लोको पायलट यूके यादव के हाथ में जा लगा। इस हमले से चालक के हाथ में चोट आई। चोट लगने के बाद तुरंत रेलवे प्रशासन को सूचित किया गया। इसके बाद पीड़ित रेल चालक को इलाज के लिए नरकटियागंज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। स्टेशन प्रबंधक मो. कलीम ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने चलती मालगाड़ी पर पत्थर फेंका था, जो लोको पायलट को लगा और वह चोटिल हो गए। वहीं आरपीएफ पोस्ट कमांडर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल मामले की गहनता से जांच कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संदेह के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। आरपीएफ की टीम पत्थर फेंकने वाले की पहचान करने तथा घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

भोजपुर पुलिस की डिजिटल स्ट्राइक, फेसबुक-इंस्टाग्राम के 120 खातों पर कार्रवाई; 40 आईडी हटवाई

एजेंसी

पटना। भोजपुर पुलिस ने डिजिटल स्ट्राइक अभियान के तहत अश्लीलता, हिंसा, रंगदारी और जातीय उन्माद फैलाने वाले फेसबुक-इंस्टाग्राम के 120 खातों पर कार्रवाई की है। इनमें 40 आईडी हटवाई गई हैं। पुलिस ने आपत्तिजनक रील बनाने वाले दो युवकों को भी पकड़ा। इंटरनेट मीडिया पर लाइक, दृश्यता और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ में अश्लीलता, हिंसा और रंगदारी फैलाने वाले सोशल मीडिया खातों पर भोजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले में 'डिजिटल स्ट्राइक अभियान' के तहत पुलिस ने अब तक फेसबुक और इंस्टाग्राम की 120 आईडी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। अभियान के माध्यम से आपत्तिजनक पोस्ट, विवादित गानों और भड़काऊ रील के जरिये समाज में जातीय उन्माद तथा अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने वाले इंटरनेट खातों को चिह्नित कर उन पर शिकंजा कसा गया है। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि 'डिजिटल स्ट्राइक अभियान' के अंतर्गत चिह्नित 120 खातों में से 40 आईडी को संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटवा यानी टेक डाउन करवा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट हिदायत दी है कि इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने, अश्लील और भड़काऊ रील बनाने तथा समाज में नफरत व वैमनस्य फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम लगातार ऐसे खातों, वीडियो और पोस्ट पर कड़ी नजर रख रही है। किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि सामने आने पर संबंधित लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान रंगदारी वाले गानों को लेकर प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद पुलिस को चुनौती देने के अंदाज में रील बनाना दो युवकों को भारी पड़ गया। कृष्णागढ़ थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को पकड़ा और थाने ले आई। थाने में पुलिस ने दोनों युवकों से कान पकड़वाकर माफी मंगवाई और भविष्य में इस तरह की हरकत न करने की सख्त हिदायत दी। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों रंगदारी और विवादित गानों के मामले में गायकों, गीतकारों और स्टूडियो संचालकों समेत 45 से अधिक लोगों के विरुद्ध साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

तेज रफ्तार हाईवा की टक्कर से व्यक्ति की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

एजेंसी

पटना। पटना सिटी के दीदारगंज थाना क्षेत्र में फतेहपुर रोड के पास रविवार शाम हाईवा की टक्कर से शैलेन्द्र सिंह उर्फ मास्टर साहेब की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग पर सड़क जाम किया। पटना के दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर रोड के पास रविवार शाम हुए सड़क हादसे में फतेहपुर निवासी शैलेन्द्र सिंह उर्फ मास्टर साहेब की मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। शैलेन्द्र सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों में कोहराम मच गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। इससे सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही दीदारगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाकर जाम हटवाने का प्रयास किया। वहीं, फरार हाईवा चालक की तलाश में पुलिस जुट गई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

तीन भाइयों के घरों में लगी भीषण आग, कपड़े-गहने और नकदी समेत लाखों का नुकसान

एजेंसी

पटना। किशनगंज के भोकसरभीट्टा गांव में अचानक लगी आग से तीन भाइयों के मकान जलकर राख हो गए। अगलगी में लाखों की संपत्ति नष्ट हो गई। मुखिया प्रतिनिधि ने अंचलाधिकारी से बात कर पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाने की पहल की। गलगलिया थाना क्षेत्र के भातगांव पंचायत अंतर्गत भोकसरभीट्टा गांव के वार्ड संख्या-4 में अचानक लगी भीषण आग से तीन भाइयों के मकान जलकर राख हो गए। अगलगी में घरों में रखे कपड़े, बर्तन, अनाज, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी समेत लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। घटना के बाद तीनों परिवारों के सामने रहने और खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सैईद अख्तर और उनके दो भाइयों के मकानों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तीनों घरों को अपनी चपेट में ले लिया। मकानों से आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गलगलिया थानाध्यक्ष रवि शंकर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद अग्निशमन वाहन और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भातगांव पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बृजमोहन उर्फ मुन्ना ने गांव से बाहर रहने के बावजूद दूरभाष पर ठाकुरगंज के अंचलाधिकारी से बात की। उन्होंने अंचल कर्मियों को घटनास्थल पर भेजकर अगलगी से हुई क्षति का आकलन कराने और सरकारी प्रावधानों के तहत पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने की पहल की। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि वह फिलहाल गांव से बाहर हैं, लेकिन जल्द ही पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। साथ ही अपने स्तर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री और उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

विवादित जमीन की अवैध जमाबंदी का मामला, पूर्व सीओ और राजस्व कर्मचारी समेत कई पर एक और प्राथमिकी

एजेंसी

पटना। बिहार विवादित जमीन की अवैध जमाबंदी और गलत लगान रसीद जारी करने के मामले में पूर्व अंचलाधिकारी महेंद्र कुमार शुक्ल और राजस्व कर्मचारी करुण करण समेत अन्य के खिलाफ नगर थाने में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है। विवादित भूमि की अवैध रूप से जमाबंदी कायम करने और गलत लगान रसीद जारी करने के मामले में अंचल के पूर्व अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जमीन फजीर्वाड़े के आरोपी तत्कालीन अंचलाधिकारी महेंद्र कुमार शुक्ल और तत्कालीन राजस्व कर्मचारी करुण करण के खिलाफ नगर थाने में एक और प्राथमिकी दर्ज हुई है। जमानत पर



बाहर चल रहे दोनों आरोपियों पर जिलाधिकारी को गलत सूचना देकर गुमराह करने का भी गंभीर आरोप है। मिठनपुरा के चर्च रोड निवासी पंकज कुमार के आवेदन पर नगर थाना पुलिस ने तत्कालीन अंचलाधिकारी, राजस्व कर्मचारी, मीना कुमारी तथा अन्य लोगों के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। पीड़ित पंकज कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनके दिवंगत पिता कामदेव मंडल की स्वअर्जित जमीन पर संयुक्त परिवार का मकान बना है। इस भूमि और मकान के स्वामित्व को लेकर सिविल कोर्ट में स्वत्व वाद लंबित चल रहा है। इसके अलावा भूमि सुधार उप समाहर्ता पूर्वी के न्यायालय में भी दाखिला-खारिज से जुड़ा अपील वाद विचाराधीन है। इसके बावजूद अधिकारियों ने मिलीभगत कर 6 दिसंबर, 2025 को म्यूटेशन वाद में नियम विरुद्ध शुद्धि पत्र निर्गत कर दिया। इसी शुद्धि पत्र के आधार पर मीना कुमारी के नाम जमाबंदी दर्ज कर 4 अप्रैलको लगान रसीद काट दी गई। इससे पूर्व मीना कुमारी की ओर से प्रस्तुत दो म्यूटेशन आवेदनों को खारिज किया जा चुका था। जिलाधिकारी को भेजा भ्रामक जांच प्रतिवेदन मामले में हुई गंभीर धांधली को लेकर शिकायतकर्ता के बड़े भाई केशव कुमार ने 17 जुलाई को जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि शिकायत के बाद तत्कालीन अंचलाधिकारी ने 6 अगस्त 2026 को जिलाधिकारी को भेजे गए अपने जांच प्रतिवेदन में इस म्यूटेशन वाद को आदेश के लिए प्रक्रियाधीन बताया। जबकि सच यह था कि प्रतिवेदन भेजने से कई महीने पहले ही शुद्धि पत्र जारी करके अवैध जमाबंदी और रसीद निर्गत करने की पूरी प्रक्रिया की जा चुकी थी। इस प्रकार प्रशासनिक पद का अनुचित लाभ उठाते हुए उच्चाधिकारियों को अंधेरे में रखा गया। पद का दुरुपयोग और पुलिस की कार्रवाई आवेदक ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वास्तविक तथ्यों को छिपाने की सुनियोजित साजिश रची, ताकि दूसरे पक्ष को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से इस पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर सभी दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। नगर थाना पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामला पंजीकृत कर लिया है।

विक्रमशिला पुल बंद होने से एनएच 31 पर लोग परेशान

एजेंसी

पटना। विक्रमशिला पुल बंद रहने से राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। सोमवार को एक महीने में सातवीं बार महेशखूंट से मानसी तक लंबा जाम लगा। खराब डायवर्सन, सड़क धंसने और ओवरटेकिंग के कारण वाहन घंटों फंसे रहे। एंबुलेंस, स्कूली बच्चों और दैनिक यात्रियों को भी परेशानी हुई। विक्रमशिला पुल के बंद रहने से राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर गाड़ियों का दबाव अत्यधिक बढ़ गया है। सोमवार को इस मार्ग पर एक महीने के दौरान सातवीं बार लंबा यातायात जाम लगा। सुबह से ही महेशखूंट से मानसी तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। अन्य रास्तों से गुजरने वाले वाहनों का दबाव इस सड़क पर आने से स्थिति और अधिक विकट हो गई है। इससे यात्रियों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खस्ताहाल सड़क और संकरा रास्ता महेशखूंट और पसराहा के बीच बने डायवर्सन की खराब स्थिति, पसराहा के समीप सड़क धंसने और मार्ग संकरा होने के कारण वाहन अत्यंत धीमी गति से चल रहे हैं। कई स्थानों पर एक ही दिशा से वाहनों की निकासी हो पा रही है। ऐसे में भारी वाहनों के आमने-सामने आने अथवा किसी गाड़ी के बीच रास्ते खराब होने पर किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। बीते रविवार को भी महेशखूंट से मानसी तक लगभग 35 किलोमीटर की दूरी में गाड़ियां रेंगती नजर आईं। ओवरटेकिंग से बढ़ा संकट इससे पूर्व गुरुवार की रात लगभग 11:00 बजे गौछारी के पास ओवरटेक करने को लेकर दो ट्रक चालकों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते यातायात खगड़िया से पसराहा तक पूरी तरह ठप हो गया। शुक्रवार दोपहर 3:00 बजे लगभग 16 घंटे की मशक्कत के बाद आवाजाही सुचारू हो सकी। लगातार हो रही इस समस्या से मरीजों को ले जा रहीं एंबुलेंस, स्कूली बच्चे, नौकरीपेशा लोग और दैनिक यात्री घंटों फंसे रहने को विवश हैं। क्षेत्र के निवासियों का मानना है कि विक्रमशिला पुल पर आवागमन शुरू होने तक इस मार्ग पर दबाव बना रहेगा।

इंडिगो की फ्लाइट रद्द होने पर यात्रियों का हंगामा, पुणे जाने वाले विमान का बिगड़ा शेड्यूल

एजेंसी

पटना। पटना एयरपोर्ट पर पुणे जाने वाली इंडिगो की फ्लाइटरद्द होने के बाद यात्रियों ने हंगामा किया। खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण पुणे से पटना आ रहा विमान लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया था। इसके बाद पटना से पुणे जाने वाली उड़ान का शेड्यूल बिगड़ गया। यात्रियों ने एयरलाइंस कर्मचारियों पर गलत जानकारी देने और समय पर स्थिति स्पष्ट नहीं करने का आरोप लगाया। पटना के हवाई अड्डे पर पुणे जाने वाली इंडिगो की उड़ान अचानक रद्द होने के बाद यात्रियों ने भारी हंगामा किया। यात्रा के अंतिम समय में उड़ान निरस्त होने की सूचना मिलने से परिसर में मौजूद यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। एयरलाइंस प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए यात्रियों ने हवाई अड्डे पर प्रदर्शन किया। यात्रियों का कहना था कि एयरलाइंस कर्मियों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये और जानकारी छिपाने की वजह से उन्हें भारी परेशानी



का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण लखनऊ भेजा गया विमान पुणे से पटना आने वाला इंडिगो का विमान संख्या रात 1:40 बजे पटना पहुंचने वाला था। हालांकि, हवाई अड्डे के आसपास खराब मौसम और कम दृश्यता की वजह से विमान वहां उतर नहीं सका। इस कारण विमान को लखनऊ की तरफ मोड़ना पड़ा। इसी विमान को पटना पहुंचने के बाद पुनः पुणे के लिए रवाना होना था। पटना से पुणे जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या को रात 2:45 बजे उड़ान भरनी थी। आने वाले विमान के पटना न पहुंच पाने के कारण आगे का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया और एयरलाइंस को अपनी उड़ान रद्द करनी पड़ी। एयरलाइंस कर्मचारियों पर लगाया गुमराह करने का आरोप उड़ान निरस्त होने की सूचना मिलते ही यात्रियों और इंडिगो के कर्मचारियों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। यात्रियों ने आरोप लगाया कि एयरलाइंस के कर्मचारी उन्हें लगातार समय पर उड़ान भरने का झूठा आश्वासन देते रहे। काफी देर तक इंतजार करवाने के बाद अचानक उड़ान रद्द करने की घोषणा कर दी गई। यात्रियों ने यह भी शिकायत की कि परेशानी के इस समय समाधान निकालने के लिए एयरलाइंस का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं हुआ, जिससे परिसर में काफी देर तक अफरातफरी मची रही। यात्रा योजनाएं ध्वस्त होने से यात्रियों में अनिश्चितता अचानक उड़ान रद्द होने के कारण पुणे में अपने आवश्यक कार्यों से जा रहे कई यात्रियों की पूरी योजना प्रभावित हो गई। लंबा समय बीत जाने के बाद भी स्थिति स्पष्ट न होने पर यात्रियों का सब्र जवाब दे गया। यात्रियों की मुख्य चिंता अपनी आगे की यात्रा को लेकर बनी रही। एयरलाइंस ने प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक उड़ान, रीबुकिंग अथवा रिफंड की क्या व्यवस्था की है, इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

पटना में गंगा किनारे चला बुलडोजर, सर्वोच्च न्यायालय ने दिए थे अतिक्रमण हटाने के निर्देश

एजेंसी

पटना। पटना पटना में गंगा नदी के किनारे अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान सोमवार सुबह शुरू हुआ। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर मालसलामी थाना क्षेत्र के दमराही घाट से कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासन ने दर्जनों जेसीबी मशीनों की मदद से मकानों, ईंट-भट्ठों और चिमनियों को ध्वस्त करना शुरू किया है। अभियान नूरपुर से नौजर घाट तक चलाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर पटना में गंगा नदी के किनारे कायम अवैध अतिक्रमण को हटाने का व्यापक अभियान सोमवार सुबह से शुरू हो गया है। प्रशासनिक टीम ने बुलडोजर और दर्जनों जेसीबी मशीनों की मदद से तट पर बने कच्चे-पक्के मकानों, ईंट-भट्ठों और चिमनियों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। इस कार्रवाई की शुरूआत मालसलामी थाना क्षेत्र के दमराही घाट से हुई। दमराही घाट से कार्रवाई शुरू अतिक्रमण हटाने के इस अभियान का नेतृत्व प्रशासनिक अधिकारी कर रहे हैं। मौके पर मौजूद नगर



पुलिस अधीक्षक शैलजा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर पटना सिटी में गंगा किनारे कायम सभी अवैध कब्जों को हटाया जा रहा है। अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। एसडीओ कशिश बख्शी, कई दंडाधिकारी और पुलिस अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर पूरी कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं। नूरपुर से नौजर घाट तक अभियान अधिकारियों के अनुसार अतिक्रमण विरोधी यह अभियान नूरपुर से नौजर घाट के बीच संचालित किया जाएगा। इसके तहत गंगा किनारे अवैध रूप से निर्मित कच्चे-पक्के मकानों, ईंट-भट्ठों और चिमनियों को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है। गंगा तट पर अचानक शुरू हुई इस सख्त कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे उनका विरोध टिक नहीं सका।

अररिया में भीषण सड़क हादसा, स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा को कार ने मारी टक्कर, 12 घायल

एजेंसी

पूर्णिया अररिया-रानीगंज मार्ग पर कार और स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा की टक्कर में 12 बच्चे घायल हो गए। हादसे में एक बच्चे का हाथ कट गया। दो गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। सोमवार को अररिया-रानीगंज मार्ग पर पावर हाउस के पास विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। एनएच-327 ई पर हुए इस हादसे में ई-रिक्शा सवार 12 बच्चे घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बच्चे का हाथ कटकर चार पहिया वाहन में ही फंस गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज के लिए अररिया के सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल में डॉ. निर्मल कुमार मंडल की देखरेख में सभी घायलों का इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने दो घायलों की हालत बेहद गंभीर बताई है। अत्यधिक गंभीर रूप से घायल 15



वर्षीय मोहम्मद अकरम और 10 वर्ष के एक बालक को प्राथमिक चिकित्सा के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इसके अतिरिक्त सात वर्षीय अबू हमवाद, ई-रिक्शा चालक 30 वर्षीय मोहम्मद आबिद, जोया परवीन, सानिया फिरदौस और मोहम्मद आबिदुल्लाह का उपचार सदर अस्पताल में जारी है। अस्पताल में उपचाराधीन ई-रिक्शा चालक मोहम्मद आबिद ने बताया कि वह अपनी सही दिशा में जा रहे थे, तभी अचानक सामने से आई कार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने सड़क पर लगातार गलत दिशा में वाहनों के चलने और ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने पर गहरा आक्रोश जताया है। लोगों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की गहन जांच कर रही है और दुर्घटना कारित करने वाले वाहन तथा उसके चालक की तलाश की जा रही है।

24 नवंबर को पटना में इन रास्तों पर रहेगी नो एंट्री, घर से निकलने से पहले देखें ट्रैफिक प्लान

एजेंसी

पटना। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान की तैयारी कर रहे हैं तो पटना की यह ट्रैफिक एडवाइजरी जरूर जान लें। 24 नवंबर को कई प्रमुख रास्तों पर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। जेपी सेतु पर भी विशेष प्रतिबंध लागू होगा। प्रशासन ने घाटों के पास पार्किंग से लेकर वैकल्पिक रास्तों तक की पूरी व्यवस्था तय कर दी है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पटना में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। जिला प्रशासन और यातायात पुलिस ने इसके लिए विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। इसके तहत कई प्रमुख रास्तों पर वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी, जबकि श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग घाटों के



आसपास पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करें और यातायात नियमों का पालन करें। कारगिल चौक से गायघाट तक नहीं चलेंगे वाहन ट्रैफिक प्लान के मुताबिक, 24 नवंबर को कारगिल चौक से पूर्वी दिशा में गायघाट तक किसी भी तरह के वाहनों का परिचालन नहीं होगा। अशोक राजपथ पर कारगिल चौक से गायघाट पुल के नीचे तक सभी इंट्री प्वाइंट बंद रहेंगे। हालांकि, खजांची रोड से पटना कॉलेज और साइंस कॉलेज परिसर में प्रवेश करने वाले वाहनों को पार्किंग की अनुमति दी जाएगी। कारगिल चौक से पश्चिम में शाहपुर घाट तक सभी प्रकार के वाहन चल सकेंगे। घाटों तक जाने के लिए तय किए गए रास्ते गायघाट की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को पुरानी बाइपास या न्यू बाइपास से सीधे धनुकी मोड़, शीतला माता मंदिर अथवा बिरकोन गोलंबर के रास्ते गायघाट की ओर जाना होगा। वहां निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन खड़े करने होंगे। गायघाट पुल के नीचे टेंपो और अन्य व्यावसायिक वाहनों के आने-जाने पर भी विशेष व्यवस्था लागू रहेगी। पटना सिटी की ओर से आने वाले व्यावसायिक वाहन एनएमसीएच तक जा सकेंगे। धनुकी मोड़ और बिरकोन गोलंबर से आने वाले वाहनों के लिए भी अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इन घाटों पर होगी पार्किंग की व्यवस्था प्रशासन ने श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की है। इसमें शाहपुर घाट, पीपापुल घाट, दीघा घाट, राजीव नगर, कुर्जी घाट, पहलवान घाट, बांस घाट, मीनार घाट, गायघाट और पटना सिटी क्षेत्र के घाट शामिल हैं। गांधी मैदान के गेट नंबर 93, 88 और 83 के आसपास भी पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। कुर्जी घाट, पहलवान घाट और बांस घाट जाने वाले श्रद्धालुओं को निर्धारित रास्तों से ही प्रवेश करना होगा। पटना कॉलेज और साइंस कॉलेज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जेपी सेतु पर भी लागू रहेगा प्रतिबंध जेपी सेतु पर 23 नवंबर की रात 10 बजे से 24 नवंबर सुबह 11 बजे तक यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। इस दौरान सोनपुर और छपरा से पटना की ओर आने वाले वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। भारी वाहन, बस, ट्रक और जेसीबी समेत अन्य बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। जेपी सेतु से पटना आने वाले वाहनों को गांधी मैदान के पास नीचे नहीं उतरने दिया जाएगा। ऐसे वाहन सीधे जेपी सेतु के एप्रोच पथ से अशोक राजपथ की ओर जा सकेंगे। सोनपुर, छपरा और हाजीपुर जाने वाले लोगों से इस अवधि में महात्मा गांधी सेतु का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की गई है। बड़े वाहनों की आवाजाही पर भी रोक पटना में चल रहे निर्माण कार्यों से जुड़े वाहनों का परिचालन 23 नवंबर की रात 10 बजे से 24 नवंबर सुबह 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। मालवाहक बड़े वाहनों के प्रवेश पर भी इसी अवधि में रोक रहेगी। ट्रैफिक एसपी सागर कुमार झा ने स्पष्ट किया है कि एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन और मरीजों को ले जाने वाले वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

ड्रग कार्टेल का सरगना एल चापो इसिद्रो गिरफ्तार, सड़कों पर गिरोह के लोगों ने की गोलीबारी; 11 की मौत

सिनालोआ, एजेंसी। मैक्सिको के सिनालोआ राज्य में ड्रग कार्टेल के एक बड़े सरगना की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी। शुक्रवार रात शुरू हुई गोलीबारी और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मारे गए लोगों में कार्टेल के सात संदिग्ध बंदूकधारी और चार सैनिक शामिल हैं। कार्टेल सरगना फॉस्तो इसिद्रो मेजा फ्लोरेस को 'एल चापो इसिद्रो' के नाम से जाना जाता है। वह एफबीआई की दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल था। अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर मैक्सिको के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया। इस अभियान में मेजा फ्लोरेस समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया गया। मेजा फ्लोरेस बेल्ट्रान लेवा कार्टेल में ऊंचे पद तक पहुंचा था। बाद में उसने अपना अलग संगठन मेजा-फ्लोरेस ट्रांसनेशनल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन बनाया। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर पांच मिलियन डॉलर के इनाम की घोषणा कर रखी थी। उस पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप थे।

फ्रांस में न्यूज चैनलों के खिलाफ गुस्सा दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप, चैनल बंद करने की मांग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रमुख न्यूज चैनल बीएफएम टीवी के न्यूजरूम में इन दिनों अजीब-सी बेचैनी का माहौल है। तकनीशियन थॉमस लियोनेटी और उनके 159 साथियों ने अपने ही प्रबंधन के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। प्रबंधन को लिखे एक पत्र में इन कर्मचारियों ने कहा है कि चैनल पर जिस तरह दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे उन्हें अब बीएफएम टीवी में काम करने पर शर्म महसूस होती है। फ्रांस में पिछले दो महीनों से जारी छात्र आंदोलनों और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच बीएफएफ के अलावा एक अन्य प्रमुख न्यूज सी-न्यूज भी सवालों के घेरे में है। विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि 10 लाख से ज्यादा लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर फ्रांसीसी सरकार से सी-न्यूज का प्रसारण लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि चैनल नस्लवादी भाषा और दक्षिणपंथी दुष्प्रचार के जरिए नफरत फैला रहा है। हालांकि, फ्रांस की नेशनल असेंबली ने सी-न्यूज का लाइसेंस रद्द करने से इन्कार करते हुए कहा कि यह सांसदों का काम नहीं है, बल्कि इस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस होगी। 2019 से अब तक फ्रांस के प्रसारण नियामक की ओर से सी-न्यूज को 20 बार चेतावनी या दंड दिया जा चुका है, जिसमें छह बार तो इसी साल कार्रवाई हुई है। जब फ्रांस में विरोध प्रदर्शन भड़के तो इन चैनलों ने जलती कारों, टूटे शीशों और तीखी टिप्पणियों का पुराना फॉर्मूला अपनाया। नतीजा यह हुआ कि जनता का गुस्सा अब खुद इन चैनलों की टीमों पर फूटने लगा है। इसी महीने ल्योन शहर में प्रदर्शन कवर कर रही बीएफएम की कैमरा टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। वहीं, ट्रैप्स उपनगर में शोक सभा के दौरान चैनल की टीम से बदसलूकी की गई।

बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान का हमला- पैट्रियट एयर डिफेंस रडार को बनाया निशाना, दी क्या चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से संयुक्त हमला किया। संगठन के मुताबिक, इस कार्रवाई में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े दो रडार को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी पर प्रसारित बयान के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने बहरीन के अल-रिफा और अवाली सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इन ठिकानों पर अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े रडार तैनात हैं। आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी एमक्यू-1 और एमक्यू-9 ड्रोन की ओर से ईरानी हवाई क्षेत्र के कथित बार-बार उल्लंघन और ईरान के हेंगम द्वीप पर एक रडार प्रतिष्ठान पर हमले के जवाब में की गई। संगठन ने यह भी दावा किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य एस्कॉर्ट और हवाई सुरक्षा अभियान अपने उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम रहे। आईआरजीसी ने ईरान के हवाई क्षेत्र को रेड लाइन बताते हुए चेतावनी दी कि आगे किसी भी तरह की घुसपैठ होने पर कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

विमान में घुसे नकाबपोश अधिकारी, मां के सामने बेटी को ले गए; उड़ान में देरी, क्यों उठ रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों ने दो यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। उन्होंने यात्रियों के विमान में सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की। इससे वहां अफरातफरी मच गई। इस कारण लॉस एंजिलिस जाने वाली उड़ान में देरी हुई। एयरलाइन अधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने भी इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। यह घटना उस समय हुई, जब यात्री अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1306 में सवार हो रहे थे। इस विमान को सुबह 8:10 बजे रवाना होना था। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अधिकारी जमीन पर गिरे एक व्यक्ति को काबू करने की कोशिश करते दिखे। इस दौरान आसपास यात्री अपना सामान लेकर खड़े थे। एक महिला चिल्ला रही थी कि अधिकारी उसकी बेटी को ले जा रहे हैं। उसने यह भी कहा कि उसकी बेटी के पास काम करने का परमिट है। एयरलाइन ने इस घटना को यात्रियों और कर्मचारियों के लिए परेशान करने वाला बताया। उसने कहा कि अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारियों ने इस कार्रवाई से पहले एयरलाइन को कोई जानकारी नहीं दी थी।

अमेरिकी एजेंसी ने क्या वजह बताई : अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी ने एक्स पर एक



बयान जारी किया। उसने बताया कि उसके अधिकारियों ने 21 नवंबर को सुबह करीब 8:05 बजे (स्थानीय समय) एक विशेष अभियान चलाया था। इस अभियान का मकसद रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को गिरफ्तार करना था। वह मेक्सिको का नागरिक है। एजेंसी के मुताबिक, वह अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रह रहा था। एजेंसी ने अपने बयान में कहा, 21 नवंबर, 2026 को सुबह करीब 8:05 बजे, एजेंसी के अधिकारियों ने रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को हिरासत में लेने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। वह मेक्सिको का एक अवैध प्रवासी है, जिसने हमारे देश के कानूनों का उल्लंघन करते हुए अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी यहां रहना जारी रखा। एजेंसी ने बताया कि इस दौरान एक अन्य यात्री सोफिया हर्नांडेज मेजिया को भी हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उसने हंगामे के दौरान अधिकारियों पर गर्म कॉफी फेंकी थी। एजेंसी के मुताबिक, सोफिया मेक्सिको की नागरिक है। वह भी अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद अमेरिका में रह रही थी। उस पर एक संघीय अधिकारी पर हमला करने का आरोप लगाया जा सकता है।

अलास्का एयरलाइंस ने कार्रवाई पर क्या कहा : अलास्का एयरलाइंस ने इस कार्रवाई पर चिंता जताई। उसने कहा कि विमान में यात्रियों के सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की गई। इससे पहले एयरलाइन को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, अलास्का की उड़ान संख्या 1306 में यात्रियों के सवार होने के दौरान आज सुबह हुई कानून लागू करने वाली एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर हम चिंतित हैं। एयरलाइन ने आगे कहा, हम इस बात को समझते हैं कि इस घटना से प्रभावित कर्मचारियों और यात्रियों को कितनी परेशानी हुई है। उसने दोहराया कि वह यात्रियों के साथ सम्मान और गरिमा से पेश आने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन ने बताया कि वह सिएटल बंदरगाह प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही है। यही प्रशासन सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। दोनों यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस कार्रवाई में तय नियमों का पालन किया गया था। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसने सीधे संबंधित अधिकारियों के सामने अपनी चिंता रखी है।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना के बाद विमान की उड़ान में देरी हुई। वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने अधिकारियों की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने एजेंसी के तरीकों को अमेरिका के मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ बताया। साथ ही, उन्होंने इस एजेंसी को खत्म करने की भी मांग की। श्रमिक संगठनों के नेताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फर्ग्यूसन ने कहा, वीडियो खौफनाक है और इसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें ऐसी आव्रजन व्यवस्था और सीमा सुरक्षा की जरूरत है, जो प्रभावी, नैतिक और मानवीय हो। लेकिन यह एजेंसी ऐसी नहीं है। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बची है। फर्ग्यूसन ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रहे हैं कि संघीय अधिकारियों को विमान में चढ़ने वाले रास्ते तक पहुंच कैसे मिली। उन्होंने आशंका जताई कि अधिकारियों ने मार्च में उनके हस्ताक्षर से बने एक राज्य कानून का उल्लंघन किया हो सकता है। यह कानून कानून लागू करने वाले अधिकारियों के चेहरे ढकने पर रोक लगाता है।

नई सरकार बनाने की कोशिशों को झटका? नेतन्याहू की पार्टी ने रखीं कई शर्तें; क्या मानेंगे विपक्षी नेता

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने कई शर्तें रखी हैं। ये शर्तें संभावित राष्ट्रीय एकता सरकार में शामिल होने के लिए हैं। पार्टी ने कहा है कि युद्ध के दौरान बनाए गए इस्राइली सुरक्षा क्षेत्र बने रहने चाहिए। ये सुरक्षा क्षेत्र गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया में बनाए गए हैं। लिकुड ने ये मांगें एक आधिकारिक दस्तावेज में रखी हैं। यह दस्तावेज उस समय सामने आया, जब गादी आइजेनकोट की पार्टी याशर ने शनिवार को लिकुड को बातचीत का न्योता दिया। याशर ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए गठबंधन की बातचीत शुरू करने को कहा। पार्टी ने इसे लंबी और लगातार चलने वाली बातचीत बताया। याशर ने कहा कि उसकी बातचीत करने वाली टीम हरसंभव रास्ता तलाशेगी। टीम बड़े कदम उठाएगी। वह ऐसा रास्ता खोजेगी, जिससे नई सरकार बनाने की दिशा में सफलता मिल सके। लिकुड की दूसरी शर्तें क्या हैं? लिकुड की प्रस्तावित शर्तों में कई और बातें शामिल हैं। लिकुड की मांग है कि इस्राइल को यहूदी लोगों का राष्ट्र माना जाए। वह फलस्तीनी राष्ट्र बनाने के प्रस्ताव को खारिज करती है। पार्टी यह भी चाहती है कि अति-रूढ़िवादी विचारों को मानने वाले यहूदी छात्रों की सैन्य सेवा को लेकर भी सहमति बने। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी। क्या हमास के हमले की जांच पर भी शर्त रखी गई है? इससे पहले लिकुड ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए एक और शर्त रखी थी। यह सरकार गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के साथ बननी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, लिकुड ने कहा था कि हमास के सात अक्तूबर, 2023 के हमले की जांच के लिए राज्य जांच आयोग नहीं बनाया जाना चाहिए। हमले के बाद से विपक्षी दल ऐसे आयोग की मांग कर रहे हैं। लेकिन नेतन्याहू के गठबंधन ने इस मांग को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि ऐसा आयोग निष्पक्ष नहीं होगा। इस्राइल के सरकारी समाचार चैनल कान के मुताबिक, रविवार को दोनों दलों के नेताओं की बैठक होगी। इस बैठक में जांच आयोग बनाने की शर्त पर भी चर्चा हो सकती है। शिन्हुआ ने कान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी। लिकुड ने कान न्यूज से कहा कि बातचीत के दौरान अहम विवादों पर चर्चा होनी चाहिए। इनमें हमास के हमले की जांच के लिए आयोग बनाने का मुद्दा भी शामिल है। आइजेनकोट पहले सेना प्रमुख रह चुके हैं। उन्हें सरकार बनाने के लिए छह दिसंबर तक का समय मिला है। राष्ट्रपति उन्हें दो सप्ताह तक का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू के विरोधियों को संसद की कुल 120 सीटों में से 67 सीटें मिलीं।

जेलेंस्की की दो टूक, नाटो की सदस्यता ही यूक्रेन की मजबूत सुरक्षा; बोले- दो साल नहीं, हमेशा के लिए चाहिए गारंटी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दोहराया है कि देश की सुरक्षा की सबसे स्पष्ट गारंटी नाटो की सदस्यता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के इस सैन्य गठबंधन में शामिल होने से नाटो भी मजबूत होगा। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में उन्होंने बताया कि बर्लिन में कोएलिशन ऑफ द विलिंग यानी इच्छुक देशों के गठबंधन की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सहयोगी देश भी नाटो सदस्यता को सबसे प्रभावी विकल्प मानते हैं। जेलेंस्की ने नाटो के अनुच्छेद-5 जैसी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी व्यवस्था कैसे काम करेगी। उन्होंने पूछा कि रूस के नए हमले की स्थिति में सहयोगी देश यूक्रेन की रक्षा के लिए कितने तैयार होंगे। उनके मुताबिक, किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था में ठोस सैन्य प्रतिबद्धताएं जरूरी हैं। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा गारंटी केवल बयानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन्हें लिखित रूप में स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि संकट के समय सहयोगी देशों की जिम्मेदारियां तय रहें। उन्होंने जोर दिया कि यूक्रेन को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जो हमले की स्थिति में उसकी रक्षा कर सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि सुरक्षा गारंटी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी प्रभावी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें दो साल के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए सुरक्षा गारंटी चाहिए। उनके अनुसार, अस्थायी व्यवस्था से स्थायी शांति सुनिश्चित नहीं हो सकती। जेलेंस्की ने दावा किया कि पुतिन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बदलने और दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों में बांटने के अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुए हैं। उन्होंने यूक्रेन पर रातभर में 111 मिसाइलों के हमले की आलोचना करते हुए रूस को निशाने पर लिया। जेलेंस्की ने ओलेशकी से नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद के लिए अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप का आभार जताया।

इमिग्रेशन सुधार पर रिपब्लिकन में रार; वेंस ने केविन स्टिट के द्विदलीय कानून के प्रस्ताव को ठुकराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपने कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में आव्रजन (इमिग्रेशन) पर दोनों दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी) की सहमति से कानून बनाने का आग्रह किया था। वेंस ने चेतावनी दी कि ऐसा करने से उन लोगों को माफी (एमनेस्टी) मिल सकती है, जिन्होंने अमेरिकी आव्रजन नियमों का उल्लंघन किया है। यह मतभेद तब सामने आया, जब रिपब्लिकन पार्टी के ही सदस्य स्टिट ने ट्रंप से आव्रजन कानूनों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने को कहा। उनका तर्क था कि वाशिंगटन में दोनों दलों के बीच गतिरोध के कारण इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। 19 नवंबर को जवाब देते हुए वेंस



ने वीजा धोखाधड़ी और नियोक्ताओं द्वारा नियमों के उल्लंघन को रोकने के प्रयासों को उन प्रस्तावों से अलग बताया, जिनमें बिना वैध दस्तावेजों वाले प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की बात कही जाती है।

बड़ी कंपनियों और नियोक्ताओं पर सख्ती के पक्ष में वेंस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए वेंस ने कहा कि वह ऐसी नीतियों का समर्थन करते हैं, जो बड़ी कंपनियों को वीजा प्रणाली का गलत फायदा उठाने और नियोक्ताओं को आव्रजन कानूनों का उल्लंघन करने से रोकें। हालांकि, उन्होंने स्टिट के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि दोनों दलों की सहमति से सुधार की वकालत करके वह वास्तव में क्या हासिल करना चाहते हैं। वेंस ने लिखा, बहुत से लोगों को यह उन लोगों को माफी देने की कोशिश जैसा लगता है, जिन्होंने हमारे कानूनों को तोड़ा है। यह नैतिक रूप से और चुनावी नजरिए से भी विनाशकारी होगा।

स्टिट ने ट्रंप को दी द्विदलीय पहल की सलाह : स्टिट ने यूटा में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के न्यू गवर्नर्स लीडरशिप फोरम के दौरान पोलिटिको से बातचीत में अपना प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अपने प्रशासन के आखिरी दो वर्षों का उपयोग आव्रजन प्रणाली में बड़े बदलावों के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स को एक साथ लाने में करना चाहिए। स्टिट ने कहा, यह इतना भी जटिल नहीं है। लेकिन समस्या वाशिंगटन, डीसी में है, जहां हर पक्ष को लगता है कि वे इस मुद्दे पर जीत रहे हैं। उन्होंने मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की आशंका के लिए भी इसी मुद्दे से जुड़े राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया। ओक्लाहोमा के गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका को सुरक्षित सीमाओं, देश में आने वाले लोगों की स्पष्ट ट्रैकिंग और गहन पृष्ठभूमि जांच की जरूरत है। साथ ही, उन्होंने राज्य के नेताओं को श्रम की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक अधिकार देने की वकालत की। इसमें गवर्नरों को यह अधिकार देना भी शामिल है कि जब कोई व्यवसाय किसी कर्मचारी को प्रायोजित करे, तो वे उसे वर्क परमिट जारी कर सकें।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्टरी में भीषण आग, तीन की मौत; 36 कर्मचारी लापता, अपनों की तलाश में भटक रहे परिजन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत में शनिवार को एक कैंडी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 कर्मचारी गायब हैं। बचाव दल उनकी तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग बैंटन प्रांत के सेरांग जिले में स्थित पीटी फोनुसा अगुंग मुलिया फैक्टरी में लगी। यह इलाका राजधानी जकार्ता के पास है। यह फैक्टरी मिल्किटा नाम के ब्रांड की कैंडी और स्नैक्स बनाती है। ये उत्पाद दूध से तैयार किए जाते हैं।

कितने लोगों को बचाया गया: राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, फैक्टरी से 15 लोगों को जिंदा बचाया गया है। इनमें चार



घायल कर्मचारी भी शामिल हैं। वहीं, बचाव दल अब भी लापता 36 कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं।

बैंटन खोज और बचाव एजेंसी के संचालन अधिकारी रिज्की द्वियांतो ने बताया कि फैक्टरी के कई हिस्सों में अब भी आग लगी हुई है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर आग अब भी जल रही है। दमकलकर्मी आग बुझाने के साथ ही प्रभावित जगहों को ठंडा करने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के 12 घंटे से ज्यादा समय बाद भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे थे। सेरांग जिले और बैंटन प्रांत की दमकल टीमें फैक्टरी के अलग-अलग हिस्सों में आग बुझा रही थीं।

आग के बाद फैक्टरी में कैसा था मंजर : टेलीविजन पर दिखाई गई तस्वीरों में तीन मंजिला फैक्टरी आग की लपटों से घिरी नजर आई। आसमान में काले धुएं का गुबार उठ रहा था। इससे आसपास रहने वाले लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आग से जली इमारत के फर्श पर मुड़ी हुई धातु के टुकड़े बिखरे पड़े थे। छत की लोहे की चादरें भी जलकर काली हो गई थीं। वहां अन्य मलबा भी फैला हुआ था।

लापता कर्मचारियों के परिजन कर रहे इंतजार : फैक्टरी के बाहर लापता कर्मचारियों के परिजन बेचैन होकर इंतजार कर रहे थे। वे अपने परिवार के उन सदस्यों की खबर मिलने की उम्मीद कर रहे थे, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने यह भी नहीं बताया कि आग लगने के समय सभी लापता कर्मचारी फैक्टरी के अंदर ही थे या नहीं। हालांकि, आग से बचकर निकले लोगों ने बताया कि तीसरी मंजिल पर लगी एक ठंडा करने वाली मशीन से आग शुरू हुई थी।

यमन में सऊदी ने किए हवाई हमले, होदेदा शहर को बनाया निशाना; हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया

सना/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने लाल सागर के तट पर बसे यमन के बंदरगाह शहर होदेदा पर शनिवार शाम हवाई हमले किए। सऊदी लड़ाकू विमानों ने कई हमले किए। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने इसकी जानकारी दी। चैनल ने इन हमलों को सऊदी आक्रामकता बताया। हालांकि, उसने हमलों में मारे गए या घायल हुए लोगों की संख्या नहीं बताई। नुकसान की जानकारी भी नहीं दी। एक स्थानीय निवासी ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि शहर में पांच से ज्यादा जोरदार धमाके हुए। उस समय भी लड़ाकू विमान आसमान में उड़ रहे थे। निवासी ने कहा, धमाके बेहद तेज थे। हम अब भी अपने ऊपर विमानों की आवाज सुन सकते थे।

हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया : वहीं, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरीया ने अलग से बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने यमन के आठ प्रांतों में 71 हमले किए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इन हमलों में लोग हताहत हुए हैं। सरीया ने एक्स पर एक बयान भी जारी किया। उन्होंने कहा कि ताजा हमलों के बाद सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की संख्या 5,500 हो गई है। यह संख्या सैन्य तनाव दोबारा बढ़ने के बाद से अब तक हुए हमलों की है।

सऊदी ने हूती विद्रोहियों के कितने ड्रोन और मिसाइल रोके : इस बीच, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने शनिवार को एक्स पर बताया कि गठबंधन की सेना ने हूतियों की ओर से रियाद की तरफ भेजे गए एक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। इससे पहले, गठबंधन ने बताया था कि उसकी सेना ने रियाद की ओर दागी गई हूती विद्रोहियों की तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। गठबंधन ने एक और ड्रोन को रोकने की जानकारी दी। यह ड्रोन हूतियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र की ओर भेजा था। ये घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो रही है। यमन की सरकारी सेना को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन हासिल है। पिछले कुछ दिनों में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती विद्रोहियों के मीडिया संस्थानों ने यमन में सऊदी अरब के हवाई हमले तेज होने की खबरें दी हैं। यमन में दिसंबर 2014 के आखिर से संघर्ष जारी है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सैन्य कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन की सरकार के समर्थन में की गई थी।

कैलिफोर्निया में बाढ़ और समुद्री लहरों का खतरा, अल नीनो और ऊंचे ज्वार से तटीय इलाकों पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रिकॉर्ड दर की बारिश, समुद्र की ऊंची उठती लहरों और कमजोर समुद्री तटबंधों ने खतरे की आशंका बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इफेक्ट और असामान्य रूप से ऊंचे समुद्री ज्वार के कारण इस सप्ताह राज्य के तटीय इलाकों में बाढ़, कटाव और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

तूफानी सिस्टम से फ्लैश फ्लड का खतरा : अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को नए तूफानों को लेकर सतर्क किया। उन्होंने कहा, बारिश लाने वाला तूफानी सिस्टम बेहद सक्रिय है और एक घंटे में एक इंच (करीब 25.4 मिलीमीटर) से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसी वजह से कई जगहों पर फ्लैश फ्लड आने की चेतावनी जारी की गई है। सैन फ्रांसिस्को में बारिश ने तोड़ा 100 साल पुराना रिकॉर्ड समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सुपर अल नीनो के प्रभाव से वायुमंडलीय नमी के एक शक्तिशाली प्रवाह के कारण बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में बाढ़ जैसे हालात बन गए। शहर में एक ही दिन में 2.64 इंच बारिश दर्ज की गई, जिसने इस तारीख के लिए सौ साल से भी पुराने बारिश के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बारिश के कारण कई इमारतों में पानी भर

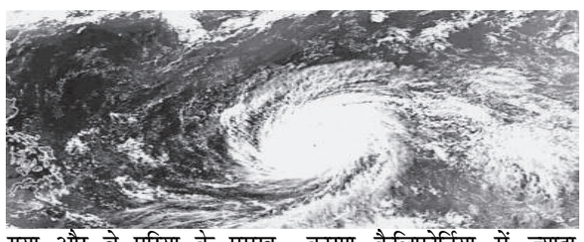

गया और बे एरिया के प्रमुख राजमार्गों पर वाहन पानी में फंस गए। बुधवार दोपहर तक 51 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई।

अल नीनो से बढ़ सकती है बारिश और समुद्री जलस्तर : अल नीनो एक ऐसा मौसमी पैटर्न है जिसमें उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके कारण कैलिफोर्निया में ज्यादा बारिश और तूफान आ सकते हैं। यह यूएस के पश्चिमी तट पर समुद्र के जलस्तर को कुछ समय के लिए बढ़ा सकता है, जिससे ऊंची लहरें और ज्वार-भाटा सामान्य से कहीं ज्यादा अंदर तक पहुंच सकते हैं।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में ऊंची लहरों से तटीय कटाव : गुरुवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के तटों पर बड़ी-बड़ी लहरें टकराती रहीं, जिससे पहले आए तूफानों से हुआ कटाव और नुकसान और भी बढ़ गया। अक्टूबर में, क्रिस्टल कोव स्टेट पार्क के पास पैसिफिक कोस्ट हाईवे के नीचे एक तटीय ढलान में 360 फुट लंबी दरार आ गई थी। इसके चलते कैल्ट्रान्स को दोनों दिशाओं में ट्रैफिक को एक-एक लेन तक सीमित करना पड़ा था, ताकि कर्मचारी ढलान को स्थिर करने का काम कर सकें।

मालिबू और लॉस एंजिलिस में 9 फुट तक ऊंची लहरों की चेतावनी : मालिबू और लॉस एंजिल्स काउंटी के समुद्र तटों के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे तक हाई सर्फ एडवाइजरी (ऊंची लहरों की चेतावनी) जारी है, जिसमें 6 से 9 फुट ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

अगले सप्ताह किंग टाइड्स से बढ़ेगा खतरा : वैज्ञानिकों का मानना है कि असली चुनौती अगले हफ्ते आएगी, जब रविवार से 27 नवंबर के बीच असामान्य रूप से ऊंचे किंग टाइड्स (बहुत ऊंचे ज्वार) आएंगे। इस दौरान बड़ी लहरें उठ सकती हैं और और भी बारिश हो सकती है। सोमवार से, दक्षिणी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में तटीय जलस्तर 8 फुट से भी ऊपर जा सकता है। कैलिफोर्निया कोस्टल कमीशन के अनुसार, इस मौसम के सबसे ऊंचे ज्वार 24-26 नवंबर, 23-25 दिसंबर और 21-22 जनवरी को आएंगे।

संक्षिप्त डायरी

दावत में ले जाए गए वृद्ध की संदिग्ध हालात में मौत, पत्नी ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी

कन्नौज। गांव का युवक भतीजे के साथ रात में वृद्ध को घर से ले गया था। शरीर पर चोटों के निशान मिलने की बात सामने आई है। दावत में चलने के लिए घर से ले जाए गए वृद्ध की कुछ घंटे बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। देर रात गांव का युवक अपने भतीजे के साथ उन्हें गंभीर हालत में ई-रिक्शा से घर लेकर पहुंचा। पति की हालत देखकर पत्नी उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने गांव के युवक और उसके भतीजे पर पति के साथ मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। उसके अनुसार, मृतक के बाएं हाथ में गंभीर चोट थी और शरीर पर भी कई जगह चोटों के निशान थे। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सौरिख क्षेत्र के मझगवां निवासी बृजेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू (57) पुत्र लंकुश सिंह रविवार रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद घर पर लेटे थे। इसी दौरान गांव का रनदीप (46) अपने 18 वर्षीय भतीजे अजय सिंह के साथ ई-रिक्शा लेकर उनके घर पहुंचा। दोनों ने तालग्राम थाना क्षेत्र के नगला मान में दावत में चलने को कहा। बृजेन्द्र ने निमंत्रण न होने की बात कहकर जाने से मना कर दिया। आरोप है कि इसके बाद रनदीप उन्हें ई-रिक्शा से अपने साथ ले गया। करीब तीन घंटे बाद रात 11 बजे रनदीप अपने भतीजे के साथ बृजेन्द्र को गंभीर हालत में लेकर घर पहुंचा। उसने पत्नी सुमन से पति के नशे में होने की बात कहकर उन्हें ई-रिक्शा से उतारने को कहा। पति की हालत गंभीर देखकर सुमन बेटे अनुज के साथ उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुमन ने पति की मौत को लेकर गांव के युवक और उसके भतीजे पर संदेह जताया है। उसका कहना है कि पति के बाएं हाथ की हड्डी टूटी हुई थी और शरीर के कई हिस्सों पर चोटों के निशान थे। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर उसने मारपीट कर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रनदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की हुई मौत

एजेंसी

आजमगढ। बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब शादी से एक दिन पहले सड़क हादसे में घायल पिता सीताराम (58) की जिला अस्पताल में मौत हो गई। परिवार ने पोस्टमार्टम से पहले रविवार को गमगीन माहौल में बेटी की शादी की रस्म पूरी कराई। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के सराय पल्टू निवासी सीताराम शुक्रवार को ठेकमा स्थित यूनियन बैंक से रुपये निकालकर साइकिल से सड़क पर आए थे। इसी दौरान पीछे खड़ी पिकअप और सामने से आ रहे चार पहिया वाहन के बीच उनकी साइकिल फंस गई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे लोगों ने उन्हें वाहन के नीचे से बाहर निकाला। उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठेकमा पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सीताराम के दो लड़के और तीन लड़कियां हैं। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान सीताराम की मौत हो गई। उनकी बेटी की शादी आज रविवार को होनी थी। परिवार ने पोस्टमार्टम से पहले ही शादी की रस्म पूरी करने का फैसला किया। यह शादी पूरे परिवार के लिए गमगीन माहौल में संपन्न हुई। बरदह थाना प्रभारी चंद्रदीप कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों के अनुभव प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने पर प्रधानाचार्य निलंबित

एजेंसी

आजमगढ। एसकेपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह को शिक्षकों के अनुभव प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर नहीं करना भारी पड़ गया। जिला विद्यालय निरीक्षक की संस्तुति के बाद कॉलेज के प्राधिकृत नियंत्रक मनोज कुमार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रधानाचार्य पर उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना, पद के दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता और प्रशासनिक अनुशासनहीनता का आरोप लगाया गया है। निलंबन के साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। कॉलेज के प्रवक्ता आलोक कुमार सिंह, सुभाष चंद्र यादव, रईस अहमद और जितेंद्र बहादुर सिंह ने 19 नवंबर को शिकायत की थी कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से विज्ञापित प्रधानाचार्य पद पर आवेदन करने के लिए उन्हें अनुभव प्रमाणपत्र की आवश्यकता थी। आरोप है कि प्रधानाचार्य बृजेश कुमार सिंह ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए उनके अनुभव प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर नहीं किए। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से भी प्रधानाचार्य को प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। निलंबन आदेश में कहा गया है कि प्रधानाचार्य का यह कृत्य प्रथम दृष्टया उनके पद के दायित्वों के प्रति उदासीनता और उच्चाधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना को दशार्ता है। इससे संबंधित शिक्षकों के सेवा हितों और उनके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हुई। प्राधिकृत नियंत्रक मनोज कुमार ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1921 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रधानाचार्य को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आरोपपत्र अलग से जारी कर जांच की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

देव दीपावली कल, बन रहे योगों के दुर्लभ संयोग, नए कार्यों की शुरुआत, पूजा और साधना के लिए उत्तम समय

एजेंसी

कानपुर। कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मंगलवार को मनाई जाएगी। इस दिन वर्धि योग, शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग तथा कृतिका व रोहिणी नक्षत्र जैसे विशेष योगों का संयोग बन रहा है। पूर्णिमा तिथि सोमवार रात 11:42 बजे शुरू होकर मंगलवार की रात 8:23 बजे समाप्त होगी। ये योग नए कार्यों की शुरूआत, पूजा और साधना के लिए उत्तम माने जाते हैं। गंगा स्नान, दान और शाम को दीपदान का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस पावन अवसर पर देवता स्वर्ग से उतरकर गंगा किनारे दीपोत्सव मनाते हैं। इसी कारण इस पर्व को देवताओं की दीपावली (देव दीपावली) कहा जाता है। ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रीति अग्निहोत्री और आचार्य पवन तिवारी ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान करने के पश्चात अपनी सामर्थ्य के अनुसार गेहूं, चावल, दाल, गुड़ और तिल का दान करने से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती। माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। स्वच्छ वस्त्र देने से कुंडली में शनि और राहु के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं। ज्योतिष सिद्धांतों के लिहाज से शुद्ध घी या तिल के तेल का दान करने से इंसान को आरोग्य की प्राप्ति होती है। दूध, दही, शहद, सिंघाड़ा, आंवला और केले का दान करने से कुंडली का चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है। इससे जीवन में सुख और समृद्धि आती है। - सर्वार्थ सिद्धि योग यह योग 24 नवंबर को सुबह 6:51 बजे से रात 11:25 बजे तक रहेगा। व्रत, स्नान, दान और नए कार्यों की शुरूआत के लिए शुभ है। - वर्धि योग और शिव योग प्रातः काल से शाम 4:06 बजे तक वर्धि योग रहेगा, उसके बाद शिव योग शुरू होगा। शिव योग जप, तप, पूजा और साधना के लिए उत्तम होता है। - नक्षत्र संयोगः दिन में कृतिका नक्षत्र रहेगा और रात 11:25 बजे के बाद रोहिणी नक्षत्र का प्रभाव रहेगा।

अयोध्या से जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस शुरू, पीएम मोदी और शाह ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या धाम से नेपाल के जनकपुर धाम के बीच चलने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी और नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने वर्चुअल हरी झंडी दिखाई। जबकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या धाम पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच अब सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है। भारत और नेपाल के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का सोमवार को शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे। इससे पहले उन्होंने रामलला के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या धाम और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ भारत और नेपाल के हजारों साल पुराने सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रिश्तों को नई मजबूती देगा। इससे दोनों देशों के श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सीएम ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि अयोध्या और मिथिला की दो संस्कृतियों का पौराणिक मिलन फिर से जीवंत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता आस्था, आत्मीयता और साझा विरासत का है। इसे रोटी-बेटी का संबंध कहा जाता है। अयोध्या के लोग आज भी जनकपुर को अपना ससुराल मानते हैं और मिथिला के लोग भगवान श्रीराम को पाहुन के रूप में सम्मान देते हैं। विवाह पंचमी पर जनकपुर में होने वाला राम-जानकी विवाह उत्सव इस रिश्ते की जीवंत मिसाल है। सीएम ने कहा कि सरयू-कमला एक्सप्रेस से उत्तर प्रदेश, बिहार और नेपाल के बीच धार्मिक पर्यटन, व्यापार, होटल व्यवसाय और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। ट्रेन के रास्ते में पड़ने वाले 10 महत्वपूर्ण मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव से सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत-नेपाल संबंधों को सड़क, राजमार्ग और रेल संपर्क के माध्यम से नई दिशा मिल रही है। अयोध्या से सीतामढ़ी होते हुए जनकपुर तक श्रीराम-जानकी मार्ग भी आकार ले रहा है। उन्होंने भारत-नेपाल के नागरिकों को बधाई देते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह और केंद्रीय रेल मंत्री का भी आभार जताया। राम की नगरी से जनकपुर धाम तक सीधा सफर सरयू-कमला एक्सप्रेस के संचालन से अयोध्या और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन दोनों देशों के श्रद्धालुओं के लिए यात्रा को आसान बनाएगी। इस रेल सेवा से यात्रियों को बीच में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी। रामायण सर्किट को मिलेगी नई कनेक्टिविटी अयोध्या और जनकपुर धाम का संबंध धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, जबकि नेपाल का जनकपुर धाम माता जानकी की जन्मस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। ऐसे में दोनों धार्मिक स्थलों को सीधी रेल सेवा से जोड़ना रामायण सर्किट के पर्यटन को भी बढ़ावा दे सकता है। इस पहल से भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं के साथ दोनों देशों के यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। 28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी ट्रेन सरयू-कमला एक्सप्रेस का औपचारिक शुभारंभ आज यानी 23 नवंबर को हुआ। वहीं, 28 नवंबर से आम यात्रियों के लिए इस रेल सेवा का संचालन शुरू होने की जानकारी है। यह साप्ताहिक ट्रेन होगी और अयोध्या से जनकपुर धाम तक का सफर लगभग 19 घंटे में पूरा करेगी। इस रेल सेवा को भारत और नेपाल के बीच संपर्क, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

कोर्ट रूम में हंगामा करने वाले अज्ञात लोगों पर एफआईआर, रजिस्ट्रार ने कैंट थाने में लिखाई रिपोर्ट

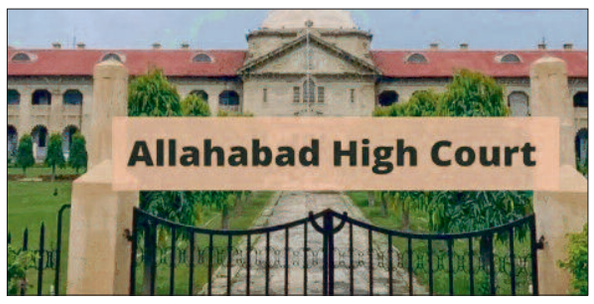

एजेंसी

प्रयागराज। हाईकोर्ट इलाहाबाद के कोर्ट रूम में हंगामा करने और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह एफआईआईर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ल की तहरीर पर दर्ज की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक न्यायमूर्ति के कोर्ट रूम में 28 अक्तूबर को हुई घटना के मामले में कैंट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह प्राथमिकी इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार इंद्रकांत शुक्ला की तहरीर पर दर्ज की गई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने न्यायालय में हंगामा किया और न्यायाधीशों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद कोर्ट की कार्यवाही समाप्त होने पर राज्य सरकार के सरकारी अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के साथ अभद्रता की गई। न्यायालय के फर्नीचर को भी इधर-उधर किया गया और सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाई गई। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 29 अक्तूबर को घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने 19 नवंबर को पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। रजिस्ट्रार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बीसलपुर सड़क पर ओवरटेक करते समय सामने से आई अर्टिगा से भिड़ी बस

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में रविवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। जिले के बीसलपुर मुख्य मार्ग पर अहरौला गांव के पास देर रात करीब 12 बजे एक तेज रफ्तार निजी बस ने ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही अर्टिगा कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर अपने पीछे आ रही दूसरी कार से भी जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में अर्टिगा में सवार नेपाल के बाजुरा जिले के रहने वाले दो नागरिकों–अर्जुन कामी (36) और चेतराज (35)–की मौत हो गई, जबकि अर्टिगा चालक दिल बहादुर राणा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में अन्य कई लोग भी घायल हुए हैं, जिनका बरेली के विभिन्न अस्पतालों में उपचार जारी है। देर रात ओवरटेक के चक्कर में हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 12 बजे बीसलपुर मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम थी, लेकिन इसी बीच एक तेज



रफ्तार निजी बस आगे निकलने की होड़ में गलत या असुरक्षित तरीके से ओवरटेक करने लगी। उसी दौरान सामने की ओर से आ रही अर्टिगा कार बस की चपेट में आ गई। निजी बस की सीधी टक्कर से अर्टिगा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और संतुलन खोकर पीछे चल रही एक अन्य कार से टकरा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। देर रात हुए इस भीषण हादसे के कारण कुछ समय के लिए बीसलपुर मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई। आसपास के लोगों और राहगीरों ने तुरंत मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी और लों को बाहर निकालने में मदद करने की कोशिश की। रास्ते में तोड़ा दम, अस्पताल में हुई मौत की पुष्टि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से बरेली के अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से घायल अर्टिगा सवार अर्जुन कामी (36) और चेतराज (35) ने अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जब घायलों को अस्पताल लाया गया, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद अर्जुन कामी और चेतराज को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अर्टिगा चालक दिल बहादुर राणा की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, अर्टिगा कार में सवार कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। इसके अलावा, अर्टिगा के पीछे चल रही जिस दूसरी कार से उसकी भिड़ंत हुई, उसमें सवार दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए, जांच में जुटी पुलिस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। पुलिस ने दोनों मृतकों–अर्जुन कामी और चेतराज–के शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना देने और आगे की प्रक्रिया के लिए पुलिस स्तर से समन्वय किया जा रहा है। हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर अफरा-तफरी और जाम का माहौल रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को हटवाते हुए सामान्य कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की गहराई से जांच की जा रही है।

ट्रक से टकराई डीसीएम, चालक की मौत, एक-एक कर दो वाहन और भिड़े

एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज जिले में हुए सड़क हादसे में डीसीएम चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे का मंजर देख हर कोई सहम गया। लखनऊ की तरह जा रही डीसीएम ट्रक के पीछे जा टकराए। हादसे में चालक की मौत हो गई। जबकि दो वाहन और टकरा गए। छह लोग वाल वाल बच गए। जिला मैनपुरी के थाना बरनाल अंतर्गत सोथरा निवासी अवधेश चंद्र (28) डीसीएम पर सरसों तेल लोग कर लखनऊ की तरह जा रहा था। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मुंडाला गांव के पास सोमवार सुबह साढ़े चार बजे के करीब पहुंचते ही झपकी आने के कारण आगे जा ट्रक से डीसीएम टकरा गई। चालक केबिन में फंस गया तभी पीछे से आ रहा ट्रक भी डीसीएम से जा टकराया। चालक ट्रक छोड़ मौके से भाग गया। इस दौरान गाजियाबाद के साहिबाबाद



अंतर्गत लाजपत नगर निवासी राजेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र चंद्र प्रकाश अग्रवाल की कार भी ओवर टेक के प्रयास में ट्रक के साइड में टकरा गई। कार में थाना मंसूरी के गंगापुरम निवासी विकास चौरसिया, राधा चौरसिया, ललित कुमार, राहुल भी थे। सूचना पर यूपीडा सहायक सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद कनौजिया, थाना प्रभारी निरीक्षक रंजना पांडेय, फायर सर्विस तालग्राम रामनिवास एवं सर्वेश सिंह मौके पर पहुंचे। फंसे हुए चालक अवधेश को काफी प्रयास के बाद निकला गया। गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज एंबुलेंस से भेजा गया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद थाने खड़ा करा दिया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि डीसीएम मालिक और मृतक चालक के परिजनों को हादसे की जानकारी देती गई है।

जिगनी मोरम खण्ड-3 मे गिरोह बंद बदमाशों ने अवैध असलहों से फायरिंग कर ट्रक ड्राइवरों से 25 से 30 हजार की लूटपाट की

हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) जिगनी मोरम खण्ड -3,सूत्रा कंस्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर में बीती रात उस वख्त हड़कंप मच गया जब दबंग गिरोह बंद जिगनी निवासी विपिन बिहारी सिंह परिहार पुत्र राम सिंह, विवेक पुत्र इन्दल, आदित्य प्रताप सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह,रजत पुत्र वंश गोपाल, आशाराम पुत्र अज्ञात सहित तीन से चार लोग अपने हाथों में अवैध असलहे लेकर खण्ड में आये और ड्राइवरों से रंगदारी की मांग करने लगे,जब ड्राइवरों ने उनकी रंगदारी का विरोध किया तो,सभी दबंगों ने अवैध असलहे के दमपर ट्रक ड्राइवरों से लूटपाट करना शुरू कर दिया। लूटपाट के दौरान करीब तीन ट्रकों से 25 से 30 हजार की लूटपाट की गई। सीओ सरीला को दी गई तहरीर में लूटपाट के बीच ड्राइवरों के शोर-शराबे की आवाज सुनकर जब प्राथीगण मौके पर पहुंचे तो, सभी



दबंगों ने प्रार्थीगणों के ऊपर जान से मारने के इरादे से अवैध असलहों से फायरिंग शुरू करदी, जिसके बाद प्राथी गणों ने वहां भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। जिगनी निवासी मोरम खण्ड-3 के प्रार्थीगण विकास सेंगर उर्फ विक्की, अनिल राजपूत, राकेश सेंगर,रोमित सिंह उर्फ धीरु, इन्द्र जीत सिंह उर्फ मोलू, अंकित यादव सहित छै लोगों ने सरीला पुलिस को तहरीर देकर घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्यवाही की मांग की है। बताया गया है कि घटना में शामिल सभी गिरोहबंद व्यक्ति अपराधिक मानसिकता के है, ये कभी भी किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं, जबकि विपिन बिहारी के ऊपर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। जबकि चिकासी पुलिस का कहना है कि जांच में फायरिंग की पुष्टि नहीं हो सकी है।

अमेठी में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन का प्रयास, रिपोर्ट दर्ज, कई राज्यों से पहुंचे थे लोग

एजेंसी

अमेठी। कमरौली के सिंदुरवा गांव में अनुसूचित जाति के लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला सामने आया है। इसके लिए आयोजित प्रार्थना सभा में दो दर्जन लोग मौजूद थे। अमेठी के जगदीशपुर के कमरौली के सिंदुरवा गांव में एक मकान में रविवार दोपहर आयोजित प्रार्थना सभा के दौरान कथित धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास का मामला सामने आया है। सभा में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों समेत दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद थे। जानकारी होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और



हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सीओ तिलोई दिनेश मिश्रा कई थानों की पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता महंत गुरुबक्श दास के मुताबिक सिंदुरवा रोड निवासी राजकुमार और उनकी पत्नी सूर्यकला के घर प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इसमें महाराष्ट्र, मुंबई, उत्तराखंड और ओडिशा समेत कई राज्यों से लोग पहुंचे थे। आरोप है कि सभा में गांव के अनुसूचित जाति के परिवारों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहां बाइबिल और ईसाई धर्म के प्रचार से संबंधित सामग्री भी रखी थी। इसकी जानकारी होने पर उन्होंने विरोध जताते हुए पुलिस से शिकायत की। आरएसएस की जगदीशपुर इकाई के पदाधिकारी पवन तिवारी ने भी गरीब और जरूरतमंद परिवारों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने मांस और मदिरा के भोज का भी आरोप लगाया। वहीं, मुंबई से आए रॉयल रॉड्रिक्स ने धर्म परिवर्तन के आरोपों को खारिज किया। उनका कहना था कि वे केवल प्रार्थना करने और सूर्यकला से मिलने आए थे। मकान मालिक सूर्यकला ने भी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि हर धर्म में परमेश्वर हैं। पहले भी सामने आ चुके हैं धर्म परिवर्तन के मामले अमेठी में प्रार्थना सभा के माध्यम से कथित धर्म परिवर्तन के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। 19 अक्तूबर 2024 को बाजार शुकुल के पूरे जगई पांडे गांव में प्रार्थना सभा की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। 10 दिसंबर 2024 को रामगंज के अग्रेसर गांव में रुपये और सुविधाओं का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। नौ मार्च 2025 को जगदीशपुर के पालपुर में आयोजित प्रार्थना सभा के मामले में पति-पत्नी समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन मामलों में पुलिस ने धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। हर पहलू की हो रही जांच पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर हर पहलू की जांच की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एटेरो खनिज कारोबार में 3,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

ई-कचरा पुनर्चक्रण कंपनी एटेरो की अपने खनिज निष्कर्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटेरो के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी अगले चार वर्षों में अपनी कुल ई-कचरा पुनर्चक्रण क्षमता को चार गुना से अधिक बढ़ाकर 10 लाख टन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि हम खास तौर पर अगले पांच वर्षों में महत्वपूर्ण खनिज संयंत्र के विस्तार में करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा लिथियम, निकेल में जाएगा। एटेरो का दावा है कि वह सोना, चांदी, तांबा, एल्युमीनियम, निकेल, लिथियम, कोबाल्ट और नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों सहित 22 से अधिक महत्वपूर्ण खनिज निकालती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा पुनर्चक्रण की हमारी मौजूदा क्षमता लगभग 2,25,000 टन सालाना है। हम अगले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख टन करना चाहते हैं। हम अगले चार वर्षों में अपने लिथियम और बैटरी पुनर्चक्रण संयंत्र को भी लगभग पांच गुना बढ़ा रहे हैं।

साइबर बीमा को स्मार्ट बनाए भारत- डेलॉयट इंडिया

एआई हमलों से निपटने के लिए वास्तविक समय आधारित जोखिम आकलन जरूरी

नई दिल्ली ।

भारत में बढ़ते डिजिटल जोखिमों के बीच डेलॉयट इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट डिफेंडिंग द डिजिटल इंश्योरर में देश की साइबर बीमा कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का आह्वान किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पारंपरिक तरीकों को छोड़ अब उन्हें वास्तविक समय की साइबर खतरे की खुफिया जानकारी पर आधारित जोखिम आकलन अपनाने की सख्त जरूरत है। डेलॉयट ने चेताया है कि साइबर हमलों के बढ़ते दायरे और डिजिटल तंत्र के तेजी से फैलने के कारण पारंपरिक जोखिम आकलन पुराने पड़ गए हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित हमलों की तीव्र गति का मुकाबला करने में मौजूदा तरीके अक्षम साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सटीक प्रीमियम और बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीमा कंपनियों को अब साइबर खतरे की खुफिया जानकारी, व्यवहार संबंधी मानकों और विभिन्न आंकड़ों को शामिल करना होगा। एआई इस बदलाव को और तेज कर रहा है, जिससे स्वचालित धोखाधड़ी और एआई-संचालित हमलों में 1,200 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई है। डेलॉयट दक्षिण एशिया में बीमा क्षेत्र के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत का साइबर बीमा बाजार देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और बढ़ते साइबर जोखिम की तुलना में अभी भी छोटा है। हालांकि वर्तमान में मुख्य रूप से वित्तीय संस्थान और बड़े उद्यम इसे अपना रहे हैं, भविष्य में इसकी वृद्धि डिजिटल भुगतान, क्लाउड प्लेटफॉर्म और आपस में जुड़े तंत्र पर निर्भर छोटे-बड़े व्यवसायों से आने की प्रबल संभावना है।

चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

वाणिज्य मंत्री ने हितधारकों के साथ किया अहम मंथन

नई दिल्ली ।

भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था।

यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद,निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 1483, निफ्टी 434 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हाव होने से बाजार टूटा। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों को जबरदस्त नुकसान हुआ। इसके अलावा मेटल और ऑयल व गैस शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,483.72 अंक टूटकर 82,435.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 434.20 अंक की गिरावट के साथ ही 25,366.40 के स्तर के नीचे आ गया। बाजार की इस भारी गिरावट से बाजार पूंजीकरण में 6 लाख करोड़ से भी अधिक का नुकसान हुआ। बाजार के व्यापक रुझान पर नजर डालें तो गिरावट वाले शेयरों की संख्या तेजी वाले शेयरों से कहीं ज्यादा रही। एक्सचेंज पर कुल 2,687 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि केवल 1,450 शेयरों में तेजी देखी गई और 199 शेयर सपाट रहे। इसके अलावा, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.7-0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो बताता है कि बिकवाली का दबाव सभी स्तरों पर था।



लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा मार निफ्टी मेटल पर पड़ी। आज दिग्गज शेयरों में आई जबरदस्त बिकवाली ने निवेशकों को खासा नुकसान पहुंचाया। टाटा स्टील 8.43 फीसदी की भारी गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रहा। इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , हिंडाल्को , एसबीआई , कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ खास शेयरों में खरीददारी हावी रही। टीसीएस 3.53 फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 92.85 पर खुला

रुपया शुक्रवार को 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया 93.47 पर खुला और 92.43 तक मजबूत होने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.85 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपये ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त जारी रखी थी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था। रुपया 10 अप्रैल के बाद पहली बार 93 के स्तर से ऊपर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 103.71 पर रहा।

सोने की कीमत 1,38,460 प्र ति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी देगी सहारा, ब्याज दरें बनेंगी चुनौती

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सक्स ने 2027 के अंत तक सोने की कीमत 4,650 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1,38,460 रुपए) तक पहुंचने का नया अनुमान जारी किया है। यह उनके पिछले 4,800 डॉलर के अनुमान से कम है, फिर भी निवेशकों के लिए सोने की चमक बरकरार रहने की उम्मीद है। 20 नवंबर को सोना 1,23,893 रुपए पर बंद हुआ था। बैंक का अनुमान है कि 2027 के अंत तक सोना 4,650 रुपए प्रति औंस तक पहुंचेगा। इसकी कीमतों को केंद्रीय बैंकों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से मुख्य सहारा मिल रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस के भंडार फ्रीज होने के बाद यह रुझान बढ़ा है, जिससे अन्य देशों को भी अपनी संपत्ति रखने के तरीकों पर पुनर्विचार करना पड़ा। गोल्डमैन को उम्मीद है कि 2026-28 के दौरान केंद्रीय बैंक प्रति माह औसतन 60 टन सोना खरीदेंगे, जो पहले के 17 टन प्रे तिमाह से काफी अधिक है। हालांकि, अमेरिकी मौद्रिक नीति और ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए जोखिम खड़ी कर सकती हैं। गोल्डमैन का मानना है कि फेडरल रिजर्व की संभावित दर वृद्धि से निजी निवेशकों की सोने में रुचि घटेगी, क्योंकि इस पर ब्याज नहीं मिलता।

सेबी का एमआईआई प्रमुखों के कार्यकाल की सीमा तय करने का प्रस्ताव

एमडी के लिए एक संस्थान में 8, कुल 12 साल की सीमा, मौजूदा अधिकारियों को 15 साल तक की छूट

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी कंपनियों जैसे मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल को लेकर बड़ा प्रस्ताव रखा है। इसके तहत, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के कार्यकाल की अधिकतम सीमा तय की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक किसी एक एमआईआई में एमडी का अधिकतम कार्यकाल 8 साल होगा, जबकि अलग-अलग संस्थानों में एमडी के तौर पर काम करने की कुल सीमा 12 साल तय की गई है। हालांकि, पहले से इस पद पर काम कर रहे अधिकारियों को कुल 15 साल तक की छूट मिलेगी। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए एक संस्थान में 8 साल और कुल 16 साल की सीमा प्रस्तावित है। वर्तमान में एमडी और ईडी एक संस्थान में अधिकतम 10 साल तक काम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का सीधा असर एनएसई और बीएसई जैसे प्रमुख संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों पर पड़ सकता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान पहले ही विभिन्न एक्सचेंजों में करीब 14 साल इस पद पर रह चुके हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल जुलाई 2027 में समाप्त होगा। यदि यह



प्रस्ताव लागू होता है, तो मौजूदा अधिकारियों के लिए प्रस्तावित 15 साल की कुल सीमा उनके भविष्य के कार्यकाल के लिए अहम होगी। बीएसई में भी नए सीईओ की तलाश जारी है, क्योंकि मौजूदा एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति का कार्यकाल जून 2027 में खत्म हो रहा है। यह बदलाव सीडीएसएल और एमसीएक्स जैसे अन्य एमआईआई को भी प्रभावित करेगा।

टाटा स्टील अपने दो कारोबार एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ में बेचेगी

एपीएल अपोलो को नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर मिलेगा

नई दिल्ली ।

स्टील सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर में दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने अपने दो प्रमुख कारोबारों को एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ रुपए के एक बड़े सौदे में बेचने की घोषणा की है। कंपनी बोर्ड ने हाल ही में इस रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी है, जिसके तहत ट्यूब्स कारोबार और कलर कोटेड स्टील से जुड़ी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को हस्तांतरित की जाएगी। यह सौदा टाटा स्टील के लिए अपने कारोबार को व्यवस्थित करने और निवेश का मूल्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा, जबकि एपीएल अपोलो के लिए यह विस्तार का बड़ा अवसर है। इस सौदे के तहत, टाटा स्टील अपने ट्यूब्स कारोबार को अधिकतम 11,700 करोड़ रुपए में बेचेगी, जिसमें स्टील ट्यूब्स, पाइप बनाने, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री से जुड़े कार्य शामिल हैं। जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां भी इस दायरे में आएंगी। दूसरा बड़ा सौदा 16,300 करोड़ रुपए का है, जिसमें टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को बेचेगी।

इस तरह कुल सौदा 28,000 करोड़ रुपए का है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपने डाउनस्ट्रीम कारोबार को व्यवस्थित करना और उसमें किए गए निवेश का मूल्य प्राप्त करना है।

वहीं, एपीएल अपोलो के लिए यह अपने कारोबार के विस्तार और नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर होगा, खासकर ट्यूब्स कारोबार को एपीएल अपोलो के बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का लाभ मिलेगा। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है, हालांकि इसके लिए आवश्यक नियामक मंजूरियां लेना बाकी है। इस बड़े अधिग्रहण के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 9 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

भारत के घरेलू निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली तेजी दर्ज की गई। एचएसबीसी के आंकड़ों के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया और इसमें नौ महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सर्विस सेक्टर की ग्रोथ थोड़ी धीमी पड़ गई। कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर के 56.2 से बढ़कर नवंबर में 56.3 पर पहुंच गया, जो समग्र आर्थिक सेहत में सुधार का संकेत देता है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रहा, इसका पीएमआई अक्टूबर के 54.7 से बढ़कर नवंबर में 56.0 पर पहुंच गया, जो नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। उत्पादन और नए ऑर्डर ने इस क्षेत्र को गति दी। इसके विपरीत, सर्विस सेक्टर का बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 55.8 से घटकर नवंबर में 55.3 पर आ गया, जिससे इसकी रफ्तार में कमी आई। नवंबर में कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की रफ्तार तेज हुई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग में। निर्यात ऑर्डर भी चार महीनों में सबसे तेजी से बढ़े। रोजगार में कुल मामूली बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने सात महीनों में सबसे तेजी से नियुक्तियां कीं, हालांकि, सर्विस सेक्टर में करीब एक साल बाद पहली बार कर्मचारियों की संख्या घटी।

दो बड़े आईपीओ के बीच बिटकॉइन में 23% की गिरावट

क्रिप्टो बाजार से निवेशकों की दूरी

टेक शेयरों की ओर बढ़ रहा निवेश

नईदिल्ली ।

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में पिछले एक महीने के दौरान करीब 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। दो बड़ी कंपनियों एंथ्रोपिक और स्पेसएक्स के आईपीओ की तैयारियों के बीच क्रिप्टो बाजार में यह गिरावट चर्चा का विषय बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, निवेशक क्रिप्टोकरेंसी से पैसा निकालकर टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर रहे हैं। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, एंथ्रोपिक की 19 नवंबर को प्रस्तावित लिस्टिंग से पहले एक महीने में बिटकॉइन की कीमत 22.7 फीसदी तक गिर गई। इससे पहले स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले भी एक महीने में बिटकॉइन में 22.3 फीसदी की गिरावट आई थी। इथेरियम भी इस दौरान दबाव में रहा। इसी तरह इथेरियम में भी एंथ्रोपिक के आईपीओ से पहले 25.3 फीसदी और स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले 28 फीसदी की गिरावट आई थी। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है, इसके पीछे केवल आईपीओ नहीं, बल्कि अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से भारी निकासी, मुख्य कारण है। निवेशकों की अनिश्चितता, ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और बड़े पैमाने पर ट्रेडिंग पोजिशन का बंद होना भी इस गिरावट के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से नवंबर में करीब 3.5 अरब डॉलर की निकासी हुई है। आगे क्या होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक, बिटकॉइन के लिए 60 हजार से 62 हजार डॉलर का स्तर बेहद महत्वपूर्ण है।

दो का शेयर बना 368! क्यूपिड ने निवेशकों को बनाया करोड़पति

पांच साल में 17,000 फीसदी से ज्यादा का बंपर रिटर्न

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में किस्मत पलटने वाले शेयरों की कमी नहीं, क्यूपिड लिमिटेड उनमें से एक है। कंडोम और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को अप्रत्याशित रूप से मालामाल कर दिया है, एक समय महज 2 रुपये में मिलने वाला यह स्टॉक अब 368 रुपये के पार पहुंच गया है। क्यूपिड लिमिटेड का शेयर पिछले पांच सालों में मल्टीबैगर साबित हुआ है।

26 नवंबर 2021 को जहां इसकी कीमत मात्र 2.13 रुपये थी, वहीं अब यह 368 रुपये के स्तर को छू चुका है। इस दौरान इसने अपने निवेशकों को 17,059.62 फीसदी का अविश्वसनीय रिटर्न दिया है। यदि उस समय किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये लगाए होते, तो आज उसकी यह रकम बढ़कर 1.71 करोड़ रुपये से भी अधिक होती। इस तूफानी उछाल से कंपनी का मार्केट कैप भी 49,160 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

यह स्टॉक केवल लंबी अवधि के लिए ही नहीं, बल्कि कम समय में भी निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया है।

पिछले एक साल में शेयर ने 441 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देकर पैसा पांच गुना किया है। वहीं, छह महीने में ही इसमें 203 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों की रकम लगभग तीन गुनी हो गई।

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद बिसलेरी ने अपना पानी सुर क्षित बताया

कंपनी ने कहा, मामला पुराना, बाद की जांच में ब्रोमेट सीमा के भीतर

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुकदमा चलाने के आदेश के बाद, बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को अपने पैक्ड पेयजल को सुरक्षित बताया है। यह प्रतिक्रिया एफएसएसएआई के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने एक नमूने को असुरक्षित बताकर कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बिसलेरी ने कहा कि उसे एफएसएसएआई से कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला है और वह नियामक के साथ सहयोग करेगी। बिसलेरी इंटरनेशनल ने स्पष्ट किया कि यह मामला लगभग 14 महीने पुराना है और सितंबर 2025 में उसके गोवा स्थित एक संयंत्र से तैयार बैच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने गोवा संयंत्र से छह नमूने लिए थे, जिनमें से एक में ब्रोमेट का स्तर निर्धारित सीमा (10



माइक्रोग्राम प्रति लीटर) से अधिक (12 माइक्रोग्राम) पाया गया था। हालांकि, कंपनी की अपील पर एफएसएसएआई द्वारा मान्यता प्राप्त एक रेफरल प्रयोगशाला ने उसी नमूने की दोबारा जांच की, जिसमें ब्रोमेट की मात्रा तय सीमा के भीतर पाई गई। नतीजों में अंतर आने के बाद, बिसलेरी ने स्वतंत्र रूप से भी जांच कराई, जिसमें भी ब्रोमेट का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर निकला। कंपनी ने 2 फरवरी, 2026 को इन स्वतंत्र जांच रिपोर्टों को एफएसएसएआई को सौंप दिया था और तब से उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

त्योहारी सत्र में वाहनों की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पहुंची

वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

भारत में वाहनों की खुदरा बिक्री इस साल त्योहारी सत्र के दौरान सालाना आधार पर 2.21 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल जीएसटी 2.0 के कारण मांग बढ़ने से ऊंचे आधार के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की गई। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। फाडा के अनुसार 2026 में 42 दिन की त्योहारी अवधि के दौरान वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 55,25,490 इकाई रही, जो समान अवधि के लिए अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में वाहनों की खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने के बाद मांग की निरंतर रफ्तार को दर्शाती है। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार 3.67 प्रतिशत बढ़कर 43,13,276 इकाई हो गई, जबकि तिपहिया वाहनों की बिक्री 5.32 प्रतिशत बढ़कर 1,93,576 इकाई रही। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 7.13 प्रतिशत बढ़कर 1,55,761 इकाई, ट्रैक्टर की बिक्री 2.24 प्रतिशत बढ़कर 1,03,809 इकाई और निर्माण उपकरणों की बिक्री 26.06 प्रतिशत उछलकर 10,452 इकाई पर पहुंच गई।

हालांकि, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 7.16 प्रतिशत घटकर 7,48,616 इकाई रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 8,06,322 इकाई थी। इस दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 52.62 प्रतिशत उछलकर पांच लाख इकाई के पार निकल गई। इसमें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों का मुख्य योगदान रहा।



थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ' 'यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'



यशराज बैनर की हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन को ज्यादातर कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में देखा गया है। मगर अब वह जल्द हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म से यशराज बैनर जल्द हॉरर वर्ल्ड में एंट्री लेने वाला है। वहीं मेकर्स ने अब तक इस फिल्म के टाइटल से पर्दा नहीं उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आगामी हॉरर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म साल 31 मार्च 2028 में रिलीज होगी। हालांकि अभी फिल्म की कहानी, पोस्टर, और बाकी की कास्ट की कोई जानकारी मेकर्स द्वारा आधिकारिक रूप से साझा नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बैनर लेगा हॉरर एंट्री
फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।



बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे

मशहूर निर्देशक करण जौहर आगामी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन की वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर सीरीज की मुख्य अभिनेत्री अनन्या पांडे का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेला (बे) के किरदार में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'दिन को जी भरकर जियो, क्योंकि वह फिर से धमाका करने आ गई है। वेब सीरीज 'कॉल मी बे' का नया सीजन 17 दिसंबर से स्ट्रीम होगा।'

करण जौहर ने वेब सीरीज के दूसरे सीजन को वापस लाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि नए सीजन में बे (अनन्या के किरदार का नाम) की जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया जाएगा, लेकिन पहले सीजन वाला ह्यूमर, इमोशन और मस्ती वाला अंदाज बरकरार रहेगा। उन्होंने प्राइम वीडियो के साथ दोबारा जुड़ने पर खुशी जताई और कहा कि 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) और उसके दोस्तों को एक बार फिर हंसी, इमोशन और धमाल से भरे सफर पर ले जाने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, 'सीजन-1 को मिला प्यार और रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि दर्शकों ने 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) के उतार-चढ़ाव भरे सफर और उसकी बेबाक जिंदगी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। सीजन 2 के साथ हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते थे, 'बे' के नए पहलुओं को दिखाना चाहते थे, लेकिन वो ह्यूमर, दिल और बिंदास अंदाज बरकरार रखना चाहते थे, जिसे सबने खूब पसंद किया था।'



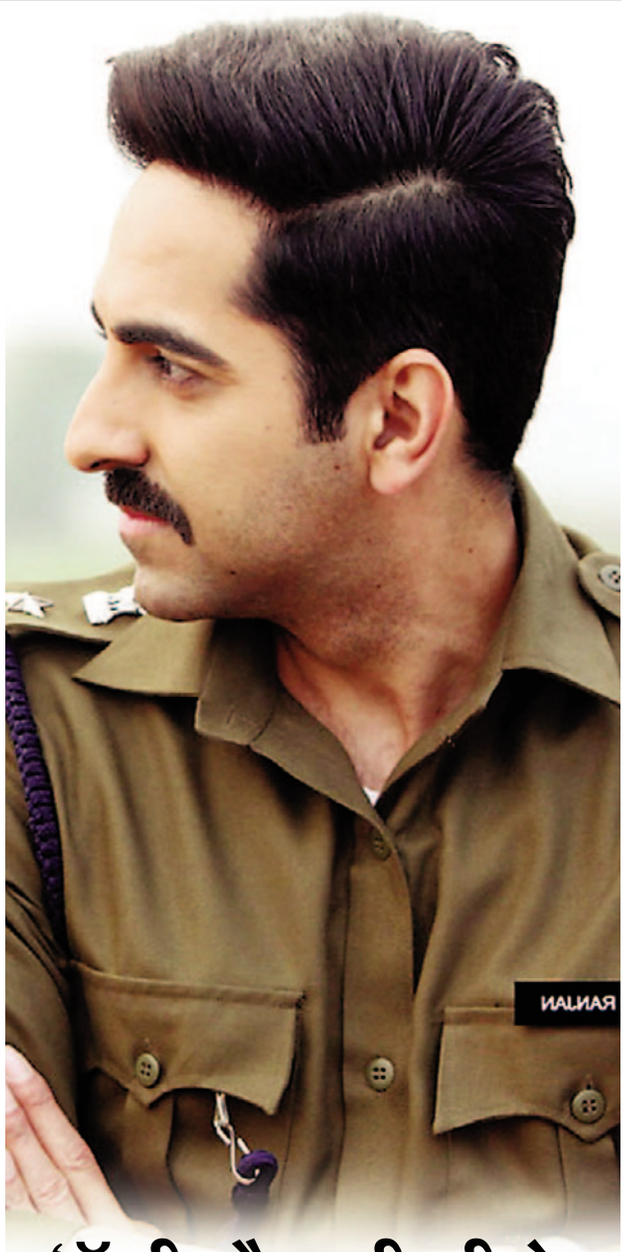

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'यह प्रेम मोल लिया' की तुलना पर बोले आयुष्मान खुराना

हाल ही में फिल्म 'यह प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इसके बाद से ही फिल्म की तुलना 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से हो रही थी। मगर इस पर फिल्म के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म करण जौहर की फिल्म से काफी अलग है। मुंबई ने हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना ने दोनों फिल्मों के बीच का फर्क बताया। उन्होंने कहा, 'यह सूरज बड़जात्या की फिल्म है, और प्रेम एक हरी झंडी है। इस फिल्म (ये प्रेम मोल लिया) में, वह अपनी पत्नी के परिवार के लिए खड़ा होता है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी का किरदार अलग है। प्रेम उससे बहुत अलग है। आप दोनों की तुलना भी नहीं कर सकते।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का बुधवार को ट्रेलर सामने आया। इसमें दिखाया गया कि प्रेम (आयुष्मान खुराना) अपनी परिवार सहित अपनी पत्नी 'पूर्वा' (शरवरी) के घर जाने का फैसला करता है। वहीं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी कपल शादी से पहले 6 महीने एक दूसरे के घर जाकर रहते हैं।

हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। इस पौने चार मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना शरवरी वाघ से शादी करना चाहते हैं। मगर शादी में एक दिक्कत है। शरवरी अपना घर छोड़कर अपने ससुराल नहीं जाना चाहती हैं। उनके मुताबिक उनके घर में सिर्फ महिलाएं ही रहती हैं। सभी की जिम्मेदारी शरवरी पर है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।



पिता शाहरुख से तुलना होने पर बोले आर्यन खान

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं?

आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।'

अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैग्जीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।



बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं कोमल पावस्कर

मुंबई बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज़ फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।

कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी।



स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।